# CLASS X – Social Science

## नमूना प्रश्न पत्र का प्रारूप

## सामाजिक विज्ञान १० एस.ए.I(२०१५-२०१६)

| क्रम.संख्या | प्रश्नों का प्रारूप | प्रत्येक प्रश्न के लिए आवंटित अंक | प्रश्नों की संख्या | कुल अंक |
|---|---|---|---|---|
| 1 | बहुविकल्प | 1 | 8 | 8 |
| 2 | लघु उतरात्मक | 3 | 12 | 36 |
| 3 | दीर्घ उतरात्मक | 5 | 8 | 40 |
| 4 | मानचित्र | 3 | 2 | 6 |
| | कुल अंक | - | 30 | 90 |

| क्रम.संख्या | इकाई संख्या | अंक |
|---|---|---|
| 1 | इतिहास | 23 |
| 2. | भूगोल | 23 |
| 3 | राजनितिक विज्ञान | 22 |
| 4. | अर्थशास्त्र | 22 |
| | कुल | 90 |

इकाई-१ इतिहास (भारत समकालीन विश्व -||)

उप -इकाई १.२(निम्न में से कोई एक)

४.भूमंडलीकृत विश्व का बनना

५.औद्योगीकरण का युग

६. काम, आराम और जीवन

उप -इकाई १.३(निम्न में से कोई एक)

७. मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया ( राष्ट्रीयता )

८.उपन्यास, समाज और इतिहास

इकाई-२ भूगोल (समकालीनभारत -||)

१. संसाधन

२. वन एवं वन्य जीव संसाधन

३. जल संसाधन

४. कृषि

इकाई-३ राजनितिक विज्ञान (लोकतांत्रिक राजनीतिक-||)

१. सत्ता की साझेदारी

२.**संघवाद**

३. लोकतंत्र और विविधता

४.जाति, धर्म और लैंगिक मसले

इकाई-४ **अर्थशास्त्र** (आर्थिक विकास की समझ -||)

१. विकास
२. अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक

# संकलित मूल्यांकन- १
# समकालीन भारत

**पाठ– 4**
**भूमंडलीकृत विश्व का बनना**

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न 1 ब्रेटनवुड व्यवस्था क्या थी?
**युद्धोत्तर अन्तर्राष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था**

प्रश्न 2 अनुबंधित श्रमिक का क्या मतलब है?
**बंधक श्रमिक**

प्रश्न 3 नहरी उपनिवेश क्या थे?
**सिंचित क्षेत्र**

प्रश्न 4 स्पैघेती कहा जाने वाला कौनसा भोजन यात्रा करके चीन से पश्चिम पहुंचा?
**नूडल्स**

प्रश्न 5 कौनसी बीमारी 1890 के समय जंगली आग की तरह अफ्रीका मे फैली?
**पशु प्लेग**

प्रश्न 6 कौन सा सोने का आकर्षक शहर था?
**एलडोराडो**

प्रश्न 7 कारों के निर्माण में असेम्बली लाइन की अवधारणा कोकिसने स्वीकार किया?
**हेनरी फोर्ड**

प्रश्न 8 नोबल पुरस्कार प्राप्त लेखक के पूर्वज अनुबंधित मजदूर थे?
**वी.एस. नायपाल**

प्रश्न 9 महामंदी किस वर्ष में प्रारंभ हुई?
**1929**

प्रश्न 10 चिटनी संगीत कहाँ लोकप्रिय है?
**दक्षिण अमेरिका**

प्रश्न 11 रिन्डरपेस्ट क्या है?

**अफ्रीका में मवेशीय बीमारी**

*लघु उत्तरात्मक* प्रश्न*:-*

प्रश्न 1 अंग्रेजों के लिए भारतीय व्यापार का क्या महत्त्व था?

उत्तर (1) ***व्यापार अधिशेष*** *:-*ब्रिटेन का भारत के साथ व्यापार **अधिशेष** रहता था। ब्रिटेन इस **अधिशेष**का उपयोग दूसरे देशों के साथ व्यापारिक घाटे की भरपाई के लिए उपयोग करता था।

(2) ***होम चार्जेज*** *:-*इसके तहत ब्रितानी अफसरों और व्यापरियों द्वारा अपने घर भेजी गई निजी रकम, भारतीय बाहरी कर्जो पर ब्याज और भारत मे काम कर चुके ब्रितानी अफसरों की पेंशन शामिल थी।

(3) ***कपास का मुख्य*** पूर्ति***कर्ता:-*** भारत ब्रिटेन को कच्चे कपास का मुख्य निर्यातक था जो ब्रिटेन के सूती वस्त्र उद्योग का आधार था।

(4) ***अनुबंधित श्रमिकों का आपूतिकर्ता:-*** विभिन्न राज्यों बिहार, उत्तर प्रदेश, मध्य भारत से अनुबंधित श्रमिक दूसरे देशों में खनिज निकालने और बागानों में काम करने के लिए ले जाए गए।

प्रश्न 2 ब्रेटन बुड व्यवस्था ने किस प्रकार काम किया था?

उत्तर (1) अन्तर्राष्ट्रीय मुद्रा व्यवस्था राष्ट्रीय मुद्राओं और मुद्रा व्यवस्थाओं को जोड़ता है।

(2) ब्रेटन वुड व्यवस्था निर्धारित विनिमय दरों पर आधारित था। इस व्यवस्था में राष्ट्रीय मुद्राएं डालर के साथ एक निश्चित विनिमय दर से बँधी हुई थी।

(3) ब्रेटन वुडस व्यवस्था ने पश्चिमी औद्योगिक राष्ट्रों के लिए व्यापार और आय में वृद्धि के लिए अप्रतिम युग का सूत्रपात किया।

प्रश्न 3 ब्रिटिश सरकार द्वारा 'कॉर्न लाज' समाप्त करने के निर्णय के क्या प्रभाव हुए?

उत्तर (1) ब्रिटेन उत्पादित भोजन के बदले विदेशों से सस्ती दर पर भोजन का आयात होने लगा।

(2) ब्रिटिश कृषि आयात का मुकाबला करने में समर्थ नहीं थी। भूमि का बड़ा हिस्सा नहीं जोता गया और लोग शहरों एवं दूसरे देशों में प्रवास करने लगे।

(3) भोजन की कीमतों में कमी से ब्रिटेन में उपभोग बढ़ा। तीव्र औद्योगिकरण से ब्रिटेन में आय बढ़ी और इसलिए भोजन का आयात बढ़ा।

(4) ब्रिटेन की माँग को पूरा करने के लिए समस्त संसार- पूर्वी यूरोप, रूस, अमेरिका और ऑस्ट्रेलिया में भूमि को साफ करक खाद्यान्न उत्पादन को बढ़ाया गया।

प्रश्न 4 रेफ्रीजिरेटेड जहाजों के आविष्कार के क्या लाभ थे?

उत्तर (1) इससे जहाजों का किराया कम हो गया और यूरोप में माँस की कीमतें गिर गई।

(2) यूरोप में गरीब लोग भी विभिन्न प्रकार के व्यंजनों का प्रयोग करने लग।

(3) पहले के ब्रेड और आलू के मुकाबले मांस, मक्खन और अंडों का उपयोग होने लगा।

(4) सामाजिक समानता के साथ उत्तम जीवन दशाओं का विकास हुआ और बाहरी क्षेत्रों में साम्राज्यवाद को समर्थन मिला।

***निबन्धात्मक प्रश्न:-***

प्रश्न 1 प्रथम विश्वयुद्ध के प्रभावों को स्पष्ट करो।

उत्तर (1)यह प्रथम आधुनिक औद्योगिक युद्ध था जिसमें औद्योगिक राष्ट्र शामिल थे।

(2) मशीनगन , टैंक, एयर क्राफ्ट व रासायनिक हथियारों का व्यापक पैमाने पर प्रयोग किया गया।

(3) अत्यधिक मृत्यु और विनाश हुआ।

(4) अधिकतर मरने और घायल होने वाले कार्यशील उम्र के थे।

(5) गृहस्थियों की आय कम हो गई।

(6) पुरूषों को युद्ध में भाग लेने को बाध्य किया गया ।

(7) महिलाओं को उन क्षेत्रों में काम करने को कहा गया जिनमें अब तक काम नहीं करती थो।

प्रश्न 2 भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी के क्या प्रभाव हुए?

उत्तर (1) आर्थिक महामंदी से भारतीय व्यापार तुरंत प्रभावित हुआ, 1928 से 1934 में भारत का आयात और निर्यात आधा हो गया।

(2) कृषि पदार्थो की कीमतें तेजी से गिर गई परन्तु साम्राज्यवादी सरकार के भूराजस्व कम न करने से विश्व बाजार के लिए उत्पादन करने वाले बुरी तरह आहत हुए।

(3) टाट की बोरियाँ बनाने के लिए कच्चे पटसन का उत्पादन और परिष्कार किया जाता था। टाट का निर्यात बंद होने से कच्चे पटसन की कीमतों में 60 प्रतिशत तक गिरावट आ गई। बंगाल के किसान कर्ज में डूब गए।

(4)खर्च पूरे करने के चक्कर में किसानों की बचत खत्म हो गई। जमीन सूदखोरों के पास गिरवी पड़ी थी, घर में जो भी गहने जेवर थे बिक चुके थे।

प्रश्न 3 19 वींसदी में अनुबंधों को नई गुलामी प्रथा के रूप में क्यों वर्णित किया गया था?

उत्तर 19 वीं सदी में हजारों भारतीय और चीनी मजदूर बागानों, खानों और रोड़ एवं रेलवे परियोजनाओं के निर्माण के लिए संसार के अनेक क्षेत्रों में पहुंचे।

(1) भारत में अनुबंधित श्रमिक समझौते के तहत किराए पर लिए गए। उनसे पांच साल तक बागानों मे काम करने के भारत पहुंचने का वादा किया गया था।

(2) धीरे-धीरे भारत के सूती वस्त्र उद्योग का पतन हो गया, भूमि का किराया बढ़ गया, भूमि खानों एवे बागानों के लिए साफ की गई। इससे गरीबों का जीवन प्रभावित हुआ। वे किराया चुकाने में असमर्थ हो गए, कर्ज में डूब गए और काम की तलाश में प्रवास के लिए मजबूर किए गए।

(3) भारतीय श्रमिको को मुख्यता केरेबियाई द्वीप समूह, त्रिनिदाद, गुयाना, सूरीनाम, मारीशस एवं फीजी ले जाया गया था। तमिल आप्रवासी सिलोन और मलाया जाकर काम करते थे।

(4) मजदूरों की भर्ती का काम मालिकों के एजेन्ट किया करते थे और एजेंटों को कमीशन मिलता था।

प्रश्न 4 ''1920 के दशक की संयुक्त राज्य अमेरिका की अर्थव्यवस्था का प्रमुख लक्षण वृहत उत्पादन था।'' समझाओ।

उत्तर (1) कार निर्माता हेनरी फोर्ड वृहत उत्पादन के विख्यात प्रणेता थे।

(2) उसने एक बूचड़खाने की 'असेम्बली लाइन' तकनीक कोअपने कारखाने में लागू की।

(3) उसने महसूस किया कि गाड़ियों के उत्पादन के लिए भी असेम्बली लाइन का तरीका समय और पैसे दोनों के लिहाज से किफायती हो सकता है।

(4) इस तरीके ने मजदूरों को एक ही काम मशीनी ढ़ंग से बार–बार करते रहने को विवश किया।

(5) यह काम की गति बढ़ा कर प्रत्येक मजदूर की उत्पादकता बढ़ाने वाला तरीका था।

(6) इससे मजदूरों का दैनिक वेतन दो गुना हो गया। उसके द्वारा कीमत कम करने के उपायों मे यह अब तक का सर्वोत्तम उपाय था।

## पाठ– 5
## औद्योगीकरण का युग

***बहुविकल्पिय प्रश्नः–***

प्रश्न 1 गिल्ड संघ थे?
उत्पादक

प्रश्न 3 सर्वप्रथम औद्योगिक क्रांति करने वाला देश था?
ब्रिटेन

प्रश्न 4 18 वीं सदी में भारत ने किस बंदरगाह शहर का पतन होते देखा।
सूरत

प्रश्न 5 ईस्ट इंडिया कंपनी का वेतनभोगी कर्मचारी था।
गुमाश्ता

प्रश्न 6 स्पिनिंग जेनी का आविष्कार किसने किया?
जेम्स हारग्रीब्ज

प्रश्न 7 भारत में प्रथम सूती वस्त्र मिल कब स्थापित हुई?
1854

प्रश्न 8 भारत में प्रथम सूती वस्त्र मिल कहाँ स्थापित की गई?
बंबई

प्रश्न 9 फ्लाई शटल का क्या उपयोग था?
बुनना

प्रश्न 10 भाप के इंजन का आविष्कार किसने किया था?
जेम्स वाट

***लघु उत्तरात्मक प्रश्नः–***

प्रश्न 1 भारतीय उद्योगों पर प्रथम विश्व युद्ध के क्या परिणाम हुए?

उत्तर पथम विश्व युद्ध से भारतीय उद्योगों को अनेक कारणो से प्रोत्साहन मिलाः–

(1) ब्रिटिश कारखाने सेना की जरूरतों को पूरा करने के लिए युद्ध सम्बन्धी उत्पादन में वयस्त हो गये, इससे भारत में वास्तविक रूप से सारे निर्यात बंद हो गए।

(2) अचानक भारतीय कारखानों को घरेलू बाजार के लिए विभिन्न प्रकार की वस्तुएँ उत्पादित करने का अवसर मिल गया।

(3) भारतीय कारखानों में भी फौज के लिए जूट की बोरियाँ, फौजियों के लिए वर्दी के कपड़े, चमड़े के जूते बनने लगे।

प्रश्न 2 जोबर कौन था? उसके कार्य स्पष्ट कीजिए-

उत्तर उद्योगपति नये मजदूरों की भर्ती के लिए जॉबर रखते थे। जॉबर कोई पुराना और विश्वस्त कर्मचारी होता था।

(1) वह अपने गाँव से लोगो को लाता था, उन्हे काम का भरोसा देता था, उन्हें शहर में जमने के लिए मदद देता था और मुसीबत में पैसे से मदद देता था।

(2) जॉबर मजबूत और ताकतवर बन गया था। वह मदद के बदले पैसे और तोहफे की माँग करने लगा था और मजदूरों की जिन्दगी नियंत्रित करने लगा था।

प्रश्न 3 19 वीं सदी के प्रारंभ में भारतीय बुनकरों की क्या-क्या समस्याएं थी?

(1) *कच्चे माल की कमी:*-भारत से कच्चे कपास का निर्यात बढ़ने से कच्चे कपास की कीमतें बढ़ गई। भारतीय बुनक रों को ऊँची कीमतों पर कच्चा कपास खरीदने को बाध्य किया गया।

(2) *गुमाश्तों के साथ कलह:*- गुमाश्ते अन्यायपूर्ण तरीके से काम करते थे और बुनकरों को आपूर्ति में देरी करने पर दंडित करते थे। इसलिए उनका बुनकरों के साथ कलह होता रहता था।

(3) *अग्रिम की व्यवस्था:*-अंग्रेजों ने आपूर्ति की सुनिश्चितता के लिए बुनकरों को अग्रिम देने की व्यवस्था शुरू की। बुनकरों ने अधिक कमाने के लिए उत्सुकता पूर्वक अग्रिम लिया परन्तु वे ऐसा करने में असमर्थ रहे। वे अब छोटे खेतों को भी खाने लगे जिनको अब तक जोतते आ रहे थे।

प्रश्न 4 प्रसिद्ध पुस्तक नई सदी के उदय की तस्वीर क्या दर्शाती है?

उत्तर (1) इसमें विकास का संदेश दिखाया गया है। तस्वीर के मध्य में एक देवी जैसी तस्वीर है जो नई सदी की ध्वजा लिए प्रगति का फरिश्ता दिखाईदेती है। उसका एक पांव पंखों वाले पहिए पर टिका है उसकी उड़ान भविष्य की ओर है।

(2) संघर्ष भविष्य में निहीत था।

(3) उसके पीछे उन्नति के चिन्ह - रेलवे, केमरा, मशीन, प्रिन्टिग प्रेस और कारखाने तैर रहे है।

***निबन्धात्मक प्रश्नः-***

प्रश्न 1 पूर्व औद्योगीकरण के मुख्य लक्षणों का वर्णन कीजिए।

उत्तर (1) उत्पादन कारखानों पर आधारित नहीं था।

(2) अंतर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए घरो पर आधारित उत्पादन किया जाता था।

(3) व्यापारो गाँवों में जाकर कारीगरों को अन्तर्राष्ट्रीय बाजारों के लिए वस्तुएँ उत्पादित करने के लिए मुद्रा दी।

(4) इससे किसानों को आय के वैकल्पिक स्त्रोत मिला।

(5) पूर्व औद्योगिक उत्पादन से किसानों को कृषि से मिलने वाली कम आय बढ़ गई।

(6) घर के समस्त श्रम साधनों का उत्पादन में उपयोग किया गया।

(7) गाँवों और शहरों के मध्य व्यवसायिक संबधों का विकास हुआ।

प्रश्न 2 अंग्रेजों ने ब्रिटिश वस्तुओं का भारतीय बाजारों मे किस प्रकार विस्तार किया?

उत्तर (1) *वस्तुओं का विज्ञापन किया:-* विज्ञापनों न वस्तुओं को जरूरी और वाँछनीय बना दिया। इससे लोगों की सोच बदल गई और नई जरूरते पैदा हो गई। औद्योगिकरण के युग में विज्ञापनों ने वस्तुओं के लिए बाजार का विस्तार करने में महत्तवपूर्ण योगदान दिया।

(2) कपड़ों *के बण्डलों पर लेबल लगाए गए:-* लेबल से खरीददारों को कंपनी का नाम एवं उत्पादन की जगह का पता चल जाता था। लेबल चीजो की गुणवता का प्रतीक भी था। जब लबल पर मोटे अक्षरों में मेड-इन मेनचेस्टर लिखा दिखाई देता तो खरीददारों को कपड़ा खरीदने में किसी प्रकार का डर नहीं रहता था।

(3) *देवी देवीताओं की तस्वीरो:-*देवी देवताओं की तस्वीरों के बहाने निर्माता में दिखाने की कोशिश करते थे कि ईश्वर भी चाहता है कि लोग इस चीज को खरीदें। कृष्ण या सरस्वती की तस्वीरों का फायदा यह होता थ कि विदेशो में बनी चीज भी भारतीयों को जानी पहचानी लगती थी।

(4) *मुद्रित कैलेण्डरों ने उत्पादों को लोकप्रिय बनाया:-* अखबारों और पत्रिकाओं को तो पढ़े लिखे लोग ही समझ सकते थे लेकिन कैलेण्डर इन लोगो की समझ में आ जाते थे जो पढ़ नहीं सकते थे। चाय की दुकानो, दफ्तरों एवं मध्यवर्गीय घरों में कलैण्डर लटके रहते थे।

प्रश्न 3 'औद्योगिक क्रांति मिश्रित वरदान थीं' स्पष्ट कीजिए -

उत्तर ***औद्योगिक क्रांति के वरदान:-***

(1) मशीनों से किए उत्पादन से संसार की बढो हुई जनसंख्या का बढ़ी हुई आवश्यकताओं की पूर्ति सम्भव हुई।

(2) मशीनों से मानवता की प्रारम्भिक आवश्यकताओं - भोजन, कपड़ा और मकान की पूर्ति संभव हुई।

(3) मशीनों ने मुनष्य को दु:खदायी थकान और आनन्दहीन कार्यों से मुक्ति दिलाई।

(4) मशीनों से मनुष्यों को अधिक सुख मिला।

***औद्योगिक क्रांति के बुरे प्रभाव:-***

(1) औद्योगिक क्रांति ने किसानों को भूमिहीन श्रमिक बनाकर ग्रामीण जीवन को नष्ट कर दिया।

(2) ग्रामीण बेरोजगारी से किसान काम की तलाश में शहरों में प्रवास को मजबूर हुए।

(3) शहरों में भीड़ बढ़ गई। अस्वास्थ्य और घरों की कमी की समस्या पैदा हुई।

(4) साम्राज्यवाद का विकास हुआ।

प्रश्न 4 अग्रिम की व्यवस्था बुनकरों के लिए किस प्रकार हानिकारक सिद्ध हुई?

(1) *मौल तोल का अवसर नहीं रहा* - बुनकरों ने मौल तोल के अवसर खो दिए।

(2) भूमि को भाड़े पर दे दिया - अब बुनकर अपनी जमीन भाड़े पर देकर सारा समय बुनकरी में देन लगे।

(3) *भोजन के लिए दूसरों पर आश्रित हो गए-* अधिकतर बुनकर भूमि खोकर अपने भोजन की आवश्यकता पूर्ति के लिए दूसरों पर आश्रित हो गए।

(4) *गुमाश्तों के साथ कलह होने लग* - गुमाश्ते निरंकुश आचरण करने लगे, पुलिस के साथ गाँवो में घूमने लगे और काम में ढिलाई के लिए बुनकरों को दंडित किया।

## पाठ– 6
## काम, आराम और जीवन

**मुख्य बिन्दु–**

1. किसी प्रांत या देश का विशाल और धनी आबादी वाला शहर जो प्रायः वहाँ की राजधानी भी होता है।
2. लन्दन जैसे पुराने शहर नाटकीय रूप से बदले जब औधोगिक क्रान्ति के बाद लोग इन शहरों में आने लगे कारखाने या दुकान मालिक बाहर से आने वालों को मकान किराये पर नहीं देते थे। व्यक्तिगत तौर पर जमीदार सस्ते तथा असुरक्षित मकान नये किरायेदारों को देते थे।
3. संमयता आन्दोलन- मुख्य रूप से मध्यवर्ग के नेतृत्व में चलाया गया समाज सुधार आन्दोलन जो इग्लैण्ड और अमेरिका में 19वीं सदी से शुरू हुआ। इस आन्दोलन में शराब को परिवार व समाज की तबाही के लिए जिम्मेदार ठहराया जाता था। इस आन्दोलन में मुख्य रूप से कामकाजी तबके में नशीले पेय पदार्थो के उपभोग मे कमी लाने पर जोर दिया जाता था।
4. पुस्तकालय, आर्ट गैलेरी तथा म्यूजियम 19वी शताब्दी में स्थापित किये गये ताकि लोगों में इतिहास का ज्ञान तथा ब्रिटिश उपलब्धियों पर गर्व हो सके।

अति *लघु उत्तरात्मक प्रश्नः–*

–

प्रश्न 1 कलकत्ता शहर के बारे में दुर्गाचरण राय का उपन्यास है?

दुर्गेश नUnuh

प्रश्न 2 कानसा शहर मायानगरी कहलाता है?

बंबई

प्रश्न 3 'द बिटर क्राई ऑफ आउटकास्ट लंदन' लिखा है -

ऐंड्रयू मीयर्न्स

प्रश्न 4 दादा साहेब फालके द्वारा बनाई गई पहली फिल्म थी।

राजा हरिशचन्द्र

प्रश्न 5 भारत का प्रथम धुंआ निरोधक शहर बना?
कलकत्ता

प्रश्न 6 फिल्म उद्योग में अधिकतर लोग थे-
आप्रवासी-लाहोर, कलकत्ता, मद्रास से

प्रश्न 7 बगीचों के शहर की अवधारणा विकसित की -
एबेनेजर हावर्ड

प्रश्न 8 प्रथम भूमिगत रेलवे कहाँ विकसित की गई थी?
लंदन

प्रश्न 9 टेनेमेंटस क्या थे?
भीड़ वाले अपार्टमेंट

प्रश्न 10 मेट्रोपालिस का क्या अर्थ है -
पूँजी

***लघु उत्तरात्मक प्रश्नः-***

प्रश्न 1 लंदन को साफ सुथरा बनाने के लिए क्या कदम उठाए गए?

उत्तर (1)भीड़ भरी बस्तियों में भीड़ कम करने, खुले स्थानों को हरा-भरा बनाने, आबादी कम करने और शहर को योजनानुसार बसाने के लिए कोशिशें शुरू कर दी गई।

(2)अपार्टमेंटस के विशाल ब्लांक बनाए गए।

(3)शहर के लिए नए फेफड़ों का इंतजाम करने के लिए लंदन के चारों तरफ हरित पट्टी का विकास करके देहात और शहर के फासले को पाटने के प्रयास किए गए।

प्रश्न 2 18 वी सदी के मध्य से लंदन में प्रदूषण बढ़ने के तीन कारण बताओ।

उत्तर (1) औद्योगीकरण सबसे महत्तवपूर्ण कारण था जिससे लोग लंदन की ओर आकर्षित हो रहे थे।

(2) लंदन के सूती वस्त्र उद्योग ने आप्रवासियों को बड़ी मात्रा में आकर्षित किया।

(3) लंदन शहर ने जीवन के सभी क्षेत्रों से जुड़े लोगों को आकर्षित किया जैसे- क्लर्क, दुकानदार, सैनिक, नौकर, श्रमिक, भिखारी आदि।

प्रश्न 3 चालो में लोग अपना मनोरंजन कैसे करते थे?

उत्तर (1) बाजीगर, मदारी और कलाबाज गलियो में अपने करतब दिखाने आते रहते ।

(2) नंदी बैलों को भविष्य बताने के लिये प्रयोग किया जाता था।

(3) चालों में रोजगार, हड़तालों, दंगों और प्रदर्शनी के बारे में खबरों के लेन-देन का काम चलता रहता था।

प्रश्न 4 किन सामाजिक परिवर्तनों के कारण लंदन में भूमिगत रेलवे की आवश्यकता अनुभव की गई?

उत्तर (1) 10 लाख एक परिवार के रहने लायक छोटे मकानों का विकास कर लिया था।

(2) लोग पैदल अपने काम तक नहीं जा सकते थे।

(3) उपनगरीय बस्तियों से शहरों तक यातायात सुनिश्चित व्यवस्था करनी थी।

(4) 1880 तक भूमिगत रेल नेटवर्क का विस्तार हो चुका था और उससे सालान 4 करोड़ लोग यात्रा करने लगे थे।

प्रश्न 5 औद्योगिक शहरों में महिलाओं की क्या स्थिति थी?

उत्तर (1)उच्च और मध्यवर्गीय महिलाओं को उच्च स्तरीय पृथकता का सामना करना पड़ा परन्तु घरेलू नौकरों द्वारा उनके जीवन को अधिक सुविधा पूर्ण बना दिया गया था।

(2)वेतन के लिए काम करने वाली महिलाओं ने अपने जीवन पर नियंत्रण स्थापित कर लिया था विशेषतया निम्न सामाजिक वर्गो में।

(3)जैसे-जैसे औरतों के औद्योगिक रोजगार खत्म होने लगे और रूढ़िवादी तत्व सार्वजनिक स्थानों पर उनकी उपस्थिति के बारे में असंतोष व्यक्त करने लगे, औरतों के पास वापस अपने घरो में लोटने के अलावा कोई चारा नहीं रहा।

***निबन्धात्मक प्रश्नः-***

प्रश्न 1 'बंबई भारत का सबसे महत्वपूर्ण शहर था' उदाहरण द्वारा सिद्ध कीजिए।

उत्तर (1) यह गुजरात के कपड़े का मुख्य निर्यातक था।

(2) यह मुख्य बंदरगाह शहर के रूप में काम करता था।

(3) यह पश्चिम भारत में मुख्य प्रशासनिक केन्द्र था।

(4) यह देश का बड़ा औद्योगिक केन्द्र था।

(5) 1869 में स्वेज नहर के खुलने के बाद बंबई के अधिक नजदीक आ गया।

प्रश्न 2 चालो के जीवन का वर्णन कीजिए-

उत्तर (1) चाल निजी जमीन मालिकों, व्यापारियों, बैंकरों, भवन ठेकेदारों के स्वामित्व वाले बहुमंजलीय भवनों के ढाँचे थे |

(2) प्रत्येक चाल में एक कक्षीय कमरों की कतार होती थी। कमरों के लिए अलग-अलग शौचालय नहीं बनाए जाते थे।

(3) एक टेनेमेंट में एक साथ कई परिवार रह सकते थे।

(4) गंदे गटर, नालिया, भैसों के तबेलों इत्यादि के नजदीक होने के कारण कमरों की खिड़कियाँ बंद ही रहती थी चाहे मौसम कितना भी आर्द्र क्यों न हो।

(5) पानी की कमी की समस्या हमेशा रहती थी। नल पर अपनी बारी के चक्कर में लोग सुबह को अक्सर झगड़ बैठते थे लेकिन प्रेक्षकों का कहना है कि फिर भी उनके घर साफ रहते थे।

प्रश्न 3 19 वी सदी के मध्य में ब्रिटेन के श्रमिकों की जीवन शैली का उल्लेख कीजिए-

उत्तर (1) अधिकतर कारखानों में श्रमिकों की माँग मौसमी थी।

(2) श्रमिकों को बहुत कम वेतन मिलता था।

(3) कारखानों में बड़ी मात्रा में महिलाऐं काम करती थी।

(4) अधिकतर कामगार गंदी बस्तियों मं रहते थे। कारखाना मालिकों ने आप्रवासी मजदूरों को घर उपलब्ध नहीं कराए।

(5) गरीब श्रमिकों के लिए टीन की छतें आराम, आनंद और मजाक की जगह थी।

प्रश्न 4 भूमिगत रेलवे में यात्रा करने में आई समस्याओं का उल्लेख कीजिए-

उत्तर (1) लोग भूमिगत रेलवे में यात्रा करने से डरते थे।

(2) डिब्बे भीड़ भरे और धुँए से प्रदूषित थे।

(3) वातावरण सल्फर, कोयले की धूल और गैस के लेम्प से निकलती गंध से मिश्रित था।

(4) बहुत से लोगों का विश्वास था कि इन लौह देत्यों ने शहर की अफरा तफरी और अस्वास्थ्यकार माहौल को और बढ़ा दिया है।

(5) ऑक्सीजन की आपूर्ति में कमी और गर्मी से पूर्वांरोधन हो गया था।

## पाठ–7

## मुद्रण संस्कृति और आधुनिक दुनिया ( राष्ट्रीयता )

### *मुख्य बिन्दु–*

1. *मुद्रण न शास्त्रीय साहित्य तथा सभी क्षेत्रों में ज्ञान के विस्तार में तेजी* आई *।*
2. *सर्वप्रथम मुद्रण तकनीक का आविष्कार चीन में हुआ।*
3. *चीन में स्याही लगे काठ के ब्लॉक को रगडकर किताबे छापी जाने लगी।*
4. *भारत में आधुनिक प्रेस अग्रेंजों द्वारा स्थापित की कई। भारत में प्रेस के अग्रदूत मि.हिक्की थें।*
5. *प्रिटिंग प्रेस के आविष्कार तथा कम कीमत के कागज ने उत्पादन लागत को घटाया।*

***बहुविकल्पिय प्रश्नः–***

प्रश्न 1 सुलेखन कला क्या है?
कलात्मक लेखन

प्रश्न 2 गुटनबर्ग की प्रथम मुद्रीत पुस्तक का नाम क्या था?
बाईबल

प्रश्न 3 पैनी चैपबुक्स क्या थी?
जेब आकार की पुस्तके

प्रश्न 4 भारत में मुद्रण प्रेस किसने शुरू की?
पुर्तगाली

प्रश्न 5 बचपन मेरा विश्वविद्यालय किसने लिखी थी?
मेक्सिम गोकी

प्रश्न 6 वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट कब पास किया गया था?
1878

प्रश्न 7 ''मुद्रण ईश्वर की दी हुई महानतम देन है और सबसे बड़ा तोहफा है '' किसने कहा था?

मार्टिन लूथर

प्रश्न 8 जापान की प्राचीनतम मुद्रित पुस्तक कौन सी है?

डायमंड सूत्र

प्रश्न 9 95 थिसिस किसने लिखी थी?

मार्टिन लूथर

प्रश्न 10 गीत गोविन्द किसने लिखी थी?

जयदेव

***उत्तरात्मक प्रश्न: लघु-***

प्रश्न 1 भारत में मुद्रण से पहले की हस्तलिखित पांडुलिपियों के तीन लक्षण बताओ-

(अ) उनको भोजपत्र और हस्तनिर्मित कागजों पर लिखा गया था।

(ब) पृष्ठों को सुंदर ढ़ंग से सुसज्जित किया गया था।

(स) संरक्षण के लिए उन्हें तख्तियों की जिल्द में या सिलकर बाँध दिया जाता था।

(द) पांडुलिपियाँ देशी भाषाओं में उपलब्ध थी।

(य) पांडुलिपियाँ नाजुक और मंहगी थी।

(र) उन्हें आसानी से पढा नहीं जा सकता था और लिपियाँ अनेक तरीको से लिखी जाती थीं ।

(ल) उनका दैनिक जीवन में व्यापक रूप से इस्तेमाल नहीं होता था।

प्रश्न 2 यूरोप में काठ की तख्ती की तकनीकी लोकप्रिय क्यों हुई?

(अ) हस्तलिखित पांड़लिपियों से पुस्तकों की बंटी हुई मांग पूरी नहीं हो रही थी।

(ब) नकल कार्य अत्यधिक खर्चीला, श्रमसाध्य और समय साध्य था।

(स) पांडुलिपियाँ नाजुक थीं , उन्हें लाने ले जाने एवं रख-रखाव में कठिनाई आती थी।

(द) पन्द्रहवीं सदी के शुरूआत में यूरोप में तख्ती की छपाई का इस्तेमाल करके कपड़े, ताश क पत्ते और छोटी - छोटीटिप्पणियों के साथ धार्मिक चित्र छापे जा रहे थे।

प्रश्न 3 भारत मे मुद्रण मे नई दृश्य प्रतिमूर्ति संस्कृति की क्या भूमिका थी?

(अ) 19 वीं सदी के शुरू में नई दृश्य संस्कृति की शुरूआत हुई।

(ब) प्रिन्टिंग प्रेसों की अधिकता से दृश्य स्वरूपों की अनेक कॉपिया बनाई जाने लगी।

(स) राजा रवि वर्मा जैसे चित्रकारों ने आम प्रचलन के लिए चित्र बनाए।

(द) गरीबो द्वारा घरों को सजाने के लिए सस्ते प्रिन्ट और कैलेण्डर खरीदे गए।

प्रश्न 4 ''मुद्रण ने जागरूक विचारकों के विचार को लोकप्रिय बनाया'' समझाइये।

(अ) विचारों के लेखन से कर्मकांडो, परम्पराओं और अंधविश्वासों पर आलोचनात्मक टिप्पणी मिली।

(ब) विद्वानों और विचारकों ने रीति रिवाजों के मुकाबले विवेक के शासन पर जोर दिया और प्रत्येक बात का समाधान विवेक और तर्कपूर्ण ढ़ंग से हो।

(स) उन्होंने चर्च की पवित्र सत्ता और राज्य के तानाशाही शासन पर आक्रमण किया और परम्परा पर आधारित सामाजिक व्यवस्था के समापन की मांग की।

(द)वाल्तेयर और रूसो की रचनाओ को व्यापक रूप से पढ़ा जाने लगा। उन रचनाओं को पढ़ने वाले नई आंखों से संसार को देखने लगे जो आलोचनात्मक प्रश्नों और विवेक से देखती थी।

प्रश्न 5 चीन मुद्रित सामग्री का प्रमुख उत्पादक क्यों कहा जाता है?

(अ) चीन में लम्बे समय तक साम्राज्यवादी सरकार रही थी, उसने मुद्रित सामग्री का बड़े पैमाने पर प्रकाशन किया।

(ब) चीन के पास विशाल नौकरशाही व्यवस्था थी। सिविल सेवा परीक्षा द्वारा विशाल नौकरशाही व्यवस्था के सदस्यों की भर्ती की जाती थी।

(स) साम्राज्यवादी सरकार के नियंत्रण में इस परीक्षा के लिए पाठयपुस्तकों की विशाल मात्रा में प्रकाशन किया जाता था। 16 वीं सदी में उम्मीदवार बढ़ने से पुस्तकें बढ़ी।

***निबन्धात्मक प्रश्नः-***

प्रश्न 1 मुद्रण क्रांति ने पढ़ने के पागलपन को किस प्रकार बढ़ावा दिया।

उत्तर यूरोपीय देशो में साक्षरता और विद्यालयों के विकास से गुणात्मक पढ़ने का पागलपन विकसित हुआ।

(अ) लोकप्रिय साहित्य के नए रूपों से पढ़ने वालों की संख्या बढ़ी।

(ब) वहाँ गाथा गीतों और लोक कहानियों का पारम्परिक पंचाग था।

(स) इंग्लैण्ड में पैनी चेपबुक्स बेचने वाले छोटे घूमकर किताब बेचने वाले को चेपमैन कहते थे। इन किताबों को एक पैनी में बेची जाता था, जिससे कि गरीब भी आसानी से खरीद सके।

(द) फ्रांस में बिब्लियो थीग ब्ल्यू का चलन था जो सस्ते कागज पर छपा और नीली जिल्द में बंधी छोटी किताबे थी।

(य) विभिन्न उद्देश्यों एवं रूचियों से भरपूर रामांटिक एवं ऐतिहासिक पुस्तकें उपलब्ध थी।

(र) सामयिक पत्रिकाओं द्वारा सामयिक घटनाओं से संबन्धित मनोरंजनपूर्ण सूचनाओं को प्रकाशन किया गया।

(ल) साधारण लोगां द्वारा वैज्ञानिकों और विद्वानों के विचार ज्यादा स्वीकृत होने लगे।

प्रश्न 2 मौखिक संस्कृति ने मुद्रण में कैसे प्रवेश किया और मुद्रित साहित्य मौखिक में कैसे परिवर्तित हुआ?

उत्तर (अ) प्रकाशकों ने गाथा गीतों और लोक कथाओं को प्रकाशित किया।

(ब) किताबें तस्वीरों से खूब सजी-धजी एवं सचित्र होती थीं ।

मुद्रित साहित्य निम्नलिख्ति तरीकों से मौखिक रूपमें परिवर्तित हुआ-

(अ) गीतों को समूहों, गांवों ओर कस्बों में गाया गया।

(ब) उन्हें जनता के इकट्ठे होने वाले स्थानों पर सुनाया गया।

## पाठ- ८

## उपन्यास, समाज और इतिहास

### मुख्य बिंदु =-

1. *उपन्यास लोगों एवं उनसे जुडी लम्बी कहानियों पर आधारित पुस्तक होती है इन कहानियों को लेखक बनाता है।*
2. *उपन्यासों को उनकी विषय वस्तु एवं विषय से किस प्रकार निपटा जाए के आधार पर कई भागों में बांटा जा सकाता है।*
3. *उपन्यास एवं समाज में आये बदलवों में काफी नजदीक का सम्बन्ध होता है।*
4. *आधुनिक उपन्यास कुछ आधुनिक परिस्थितियों का दृश्यांकन चित्रांकन तथा विश्लेषण करते हैं।*
5. *रूसी लेखकों ने कृषकों के कष्टों, गॉवों के पतन मजदूरों की दयनीय दशाओं तथा मध्यवर्ग के नैतिक पतन के बारे में लिखा है।*

***<u>संसार के प्रसिद्ध उपन्यासकार, उपन्यास और उनके कार्य:-</u>***

| | उपन्यासकार | उपन्यास | मुख्य लक्षण |
|---|---|---|---|
| 1. | पोथेरी कुंजाम्बू | सरस्वती विअयम | जातिय दमन, निम्र जातियों के लिए शिक्षा का महत्तव |
| 2. | रोकेया हुसैन | सुल्तान का स्वप्न | उलट पुलट भरी दुनिया जहाँ महिलाओं ने पुरूषों की जगह ले ली। |
| . | | | |
| 3. | बंकिम चन्द्र चटर्जी (चट्टोपाध्याय) | दुर्गेशनन्दनी | बंगाल में राजनीतिक आंदोलन को बढ़ावा दिया। |
| 4. | प्रेमचंद | सेवा सदन<br>रंगभूमि<br>गोदान<br>निर्मला | सामाजिक मुद्दे |
| 5. | देवकीनंदन खत्री | चन्द्रकांता संतति | रोमांस के साथ फंतासी |
| 6. | डेनियल डेफो | रेबिन्सन क्रूसो | साम्राज्यवाद का समर्थन |
| 7. | आर एल स्टीवेन्सन | ट्रेजन आइलैण्ड | उपनिवेशकारों की प्रशंसा |
| 8. | जेन आस्टिन | प्राइड एंड प्रेज्यूडिस | ग्रामीण महिलाओं के बारे में लिखा |
| 9. | थामस हार्डी | मेयर ऑफ केस्टरब्रिज | इंग्लैण्ड के परम्परागत ग्रामीण समुदायों के बारे .में लिखा |
| 10. | सेमुअल रिचर्डसन | पामेला | पत्रात्मक उपन्यास पत्रों के रूप में। |

अति *लघु उत्तरात्मक प्रश्न:-*

प्रश्न 1 पत्रात्मक उपन्यास क्या है?

पत्रों के क्रम में लिखा उपन्यास

प्रश्न 2 ''यह सर्वव्यापक सत्य है कि सौभाग्य रखने वाले व्यक्ति को एक पत्नि की चाह होनी चाहिए'' उपर्युक्त पंक्तियाँ किस उपन्यास से ली गई है-

प्राइड एंड प्रेज्यूडिस

प्रश्न 3 हार्ड टाइम्स किसने लिखा?

चार्ल्स डिकन्स

प्रश्न 4 किस्सागोई का क्या मतलब है?

कहानी कहने की कला

प्रश्न 5 प्रथम घारावाहिक उपन्यास था?

हार्ड टाइम्स

प्रश्न 6 प्रथम भारतीय उपन्यास किस भाषा में लिखा गया था?

मराठी

प्रश्न 7 मलयालम में प्रथम आधुनिक उपन्यास कौनसा था?

इंदुलेखा

प्रश्न 8 पामेला का लेखक कौन है?

सेमुअल रिचर्डसन

प्रश्न 9 एमिली जोला का जर्मीनल किस वर्ष में प्रकाशित हुआ?

1885

प्रश्न 10 जंगल बुक नाम का प्रसिद्ध उपन्यास किसने लिखा था?

रूडयार्ड किपलिंग

प्रश्न 11 परीक्षा गुरू किसने लिखा था?

श्री निवास दास

प्रश्न 12 कादम्बरी किसने लिखी थी।

बाणभट्ट

***लघु उत्तरात्मक प्रश्नः-***

प्रश्न 1 औपनिवेशिक भारत में उपन्यास किस तरह उपनिवेशकारों और राष्ट्रवादियों दोनों के लिए लाभदायक था। बयान को उदाहरण के साथ समझाओ-

उत्तर *साम्राज्यवादी प्रशासकों के लिए:-*

(1) देशी जीवन एवं प्रथाओं को समझने का स्त्रोत था।

(2) भारतीय समाज के विभिन्न समुदायों और जातियों पर शासन करने में मदद मिली।

(3) उपन्यासों से घरेलू जीवन, पोशाकों, धार्मिक प्रथाओं का पता चला।

(4) कुछ ग्रंथ ब्रिटिश प्रशासकों और ईसाई मिशनरियों द्वारा अंग्रजी में अनुवादित किए गए।

*भारतीयो के लिए:-*

(1) भारतीय उपन्यास का समाज मे व्याप्त बुराईयों की आलोचना करने के माध्यम के रूप में उपयोग करते थे और उनके लिए सुझाव देते थे।

(2) अतीत के साथ सम्बन्ध स्थापित करते थे।

(3) समाज के बारे में अपन विचारों का प्रचार करते थे।

(4) इसने अतीत के विवरण का गौरवान्वित किया और पाठको में राष्ट्रीय अभिमान की भावना विकसित करने में मदद की।

(5) उपन्यासों ने एक भाषा के आधार पर सामूहिक सम्बन्द्धता की भावना निर्मित की।

प्रश्न 2 19 वीं शदी में उपन्यास किस प्रकार मध्यम वर्ग के मनोरंजन के लोकप्रिय माध्यम बने।

उत्तर (1) उपन्यासों ने समन्वित, विश्वसनीय और देखने में वास्तविक संसार निर्मित किया।

(2) उपन्यास पढ़ते समय पाठक दूसरे व्यक्ति के संसार में चले गए और उपन्यास के नायक के समान अपने को अनुभव करने लगे।

(3) उपन्यास लोगों को व्यक्तिगत और खुले रूप में पढ़ने का अवसर देने लगे।

(4) उपन्यासों की कहानियाँ घरों की बैठकों और कार्यालयों में चर्चित होने लगी।

प्रश्न 3 धारावाहिक उपन्यासों के क्या लाभ थे?

उत्तर (1) कहानी को किश्तों में छापा जाता था। सस्पेन्स अगली किश्त के लिए बनाए रखा जाता था।

(2) धारवाहिकों से पाठक रहस्य का मजा लेने लगे, आपस में चर्चा करने लगे और हफ्ता दर हफ्ता उनकी कहानियों के साथ जीने लगे।

(3) यह सम्भावित विज्ञान था। पत्रिकाएं सस्ती और खरीदने लायक थी।

***निबन्धात्मक प्रश्नः-***

प्रश्न 1 प्रेमचंद का हिन्दी उपन्यासो में योगदान बताओ।

उत्तर (1) मुंशी प्रेमचंद आधुनिक हिन्दी और उर्दू साहित्य का एक महानतम साहित्यकार था।

(2) उसने प्रारंभ में उर्दू में लिखना शुरू किया और बाद में हिन्दी में लिखने लगा था।

(3) उसने प्राचीन इतिहास के मोह से परहेज किया।

(4) प्रेमचंद न दैनिक जीवन के वास्तविक मुद्दों पर लिखा। जैसेः- साम्प्रदायिकता, भ्रष्टाचार, जमींदारी कर्ज, गरीबी, साम्राज्यवाद आदि।

(5) उसने किस्सागोई की परम्परागत पद्धति में लिखा।

प्रश्न 2 उपन्यासों में औद्योगिक क्रांति कैसे प्रतिबिम्बित हुई।

उत्तर (1) औद्योगिक क्रांति की शुरूआत से फैक्ट्रियाँ बनी, व्यवसायिक लाभ बढ़े, परन्तु श्रमिकों को समस्याओं का सामना करना पड़ा।

(2) शहरों का अनियमित विकास हुआ और काम की अधिकता एवं बिना वेतन के मजदूरों से भरी हुई थी।

(3) अत्यधिक घृणित बातें विकसित हुई। उपन्यासकारों जैसेः- चार्ल्स डिकन्स ने औद्योगिकरण के लोगों के चरित्र और जीवन पर हुए भयंकर प्रभावोंके बारे में लिखा।

(4) उसका उपन्यास हार्ड टाइम्स एक काल्पनिक शहर का वर्णन करता है, जहाँ मशीनों की भरमार है, धुंआ उगलती चिमनियां है, प्रदूषण से स्याह पड़ी नदियां है।

(5) डिकन्स ने न केवल लाभ के लोभ की आलोचना की बल्कि उन विचारों को भी आड़े हाथों लिया जो इंसानों को महज उत्पादन का औजार मानते हैं ।

(6) डिकन्स की ओलिवर टिवस्ट एक अनाथ की कहानी है जो छोटे अपराधियों और भिखारियों के संसार में रहता है। ओलिवर अंत में धनी द्वारा गोद लिया गया और आगे का जीवन उसने खुशीपूर्वक बिताया।

(7) एमिलि जोला का जर्मीनल एक जवान खनिज मजदूर के बारे में लिखा गया परन्तु इसका अंत दुखद है। इसमें डिकन्स की ओलिवर टिवस्ट तरह घटित नहीं हुआ।

प्रश्न 3 इंदुलेखा में किस तरह का जातीय युद्ध दिखाई देता है?

(1) इंदुलेखा केरल की उच्च जाति की वैवाहिक परम्परा से संबन्धित है मुख्यतया नम्बूदरी ब्राह्मणों और नायरों की।

(2) इंदुलेखा में मूर्ख जमींदार सूरी नम्बूदरी इन्दुलेखा से शादी करने आता है। बुद्धिमान नायिका उसे अस्वीकार करके शिक्षित एवं सुंदर माधवन नायर को अपने पति के रूप में चुनती है।

(3) सूरी नम्बूदरी को शादी की तड़प थी, लिहाजा वह उसी परिवार की एक गरीब संबधी से शादी रचाकर चला जाता है, यह सोचते हुए कि उसने इंदुलेखा से ही शादो की है।

प्रश्न 4 परीक्षा गुरू उपन्यास में दिखाई गई नये मध्यवर्गीय परिवारों की तस्वीर को समझाओ।

उत्तर (1) श्रीनिवासदास द्वारा 1882 में परीक्षा गुरू नाम का उपन्यास प्रकाशित किया गया।

(2) इस उपन्यास में खुशहाल परिवारों के युवाओं को बुरी संग सोहबत के नैतिक खतरों से आगाह किया।

(3) इस उपन्यास में हम देखते है कि नायक अपने कार्यो से दो अलग - अलग संसारों के मध्य पुल बनाने का प्रयास करते हैं।

(4) वे नई कृषि तकनीक अपनाते हैं, व्यापार कर्म को आधुनिक बनातहैं, भारतीय भाषा के प्रयोग को बदलते हैं ताकि वह पाश्चात्य विज्ञान और भारतीय बुद्धि दोनो को अभिव्यक्त करने में सक्षम हो सके।

(5) युवाओं को अखबार पढ़ने की स्वस्थ आदत डालने की अपील की जाती है।

(6) उपन्यास का इस बात पर जोर है कि यह सब मध्यवर्गीय गृहस्थी के पारम्परिक मूल्यों पर समझौता किए बगैर हो।

## समकालीन भारत-२
## भूगोल
## अध्याय-१
## संसाधान एवं विकास

अति *लघु उत्तरात्मक प्रश्नः-*

**प्र०१. कोयला, लौह-अयस्क, पेट्रोलियम, डीजल आदि निम्न में से किसके उदाहरण है ?**
अनवीकरण योग्य संसाधान

**प्र०२ पुरानी तथा नई जलोढ़ मृदा के लिए निम्न में से किन शब्दों का प्रयोग किया जाता है ?**
बांगर और खादर

प्र. ३ किस मिट्टी को रेगर कहा जाता है ?
काली मृदा

**प्र०४ राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार देश में वन क्षेत्र कितना प्रतिशत है ?**
३३%

**प्र०५ अत्यधिक ताप और वाष्पीकरण के कारण निम्न में से कौन सी मृदा विकसित होती है ?**
शुष्क मृदा

**प्र०६. निम्न में से कौन सा संसाधन राष्ट्र द्वारा अधिग्रहित होते हैं ?**
सार्वजनिक संसाधन

**प्र०७. चादर अपरदन के लिए निम्न में से कौन उत्तरदायी है ?**

जल

**प्र०८. पवनों की गति को कम करने के लिए निम्न में से कौन सी विधि को उपयोग में लाया जाता है ?**

रक्षक मेखला

**प्र०९** मध्यप्रदेश **में भूमि निम्नीकरण का मुख्य कारण निम्न में से कौन सा है ?**

वनोन्मूलन

**लघुउतरीय प्रश्न**

**प्र०१. पहाड़ी क्षेत्रों में मृदा अपरदन की रोकथाम के लिए क्या कदम उठाने चाहिए ?**

उ० १ पर्वतीय ढालों पर सीढीदार खेत बनाकर

२ पर्वतीय ढालों पर बांध बनाकर

३ वन रोपण या काफो मात्रा में पेड़ों को लगाना।

**प्र०२ कब और क्यों रियोडी-जेनेरों का पृथ्वी सम्मेलन हुआ ?**

उ० 1992, रियोडी-जेनेरों-ब्राजील का पृथ्वी सम्मेलन विश्व भर के देशों के सतत पोषणीय विकास के लिए समान हितों, पारस्परिक आवश्यकताओं तथा सम्मिलित जिम्मेदारियों के अनुसार विश्व सहयोग के द्वारा कैसे पर्यावरणीय क्षति, गरीबी और रोगों से निपटा जाएं।

**प्र०३. खादर और बांगर में से प्रत्येक की दो–दो वि'ोषताएं बताइए।**

उ० **खादर (नवीन जलोढ़क)**

१ नई जलोढक मिट्‌टी

२ उपजाऊ मिट्‌टी, कंकड़ पत्थर कम

**बांगर–प्राचीन जलोढ़क**

१ प्राचीन जलोढ़क मिट्‌टी

२ कम उपजाऊ, कंकड़ पत्थर अधिक

**प्र०४. पूर्वी तट के नदी डेल्टाओं पर किस प्रकार की मृदा पायी जाती है ? इस प्रकार की मृदा की तीन मुख्य विशेषताएं क्या है ?**

उ० जलोढ़ मृदा

१ यह मृदा देश की महत्वपूर्ण मृदा है।

२ यह मृदा नदियों द्वारा लाए गए निक्षेपों से बनी है।

३ यह मृदा बहुत उपजाऊ है।

**प्र०५. ‘‘भू उपयोग प्रारूप‘‘ से आप क्या समझते हैं ? भू उपयोग को निर्धारित करने वाले कारकों के नाम बताइए।**

उ० **‘‘भू उपयोग प्रारूप‘‘** का अर्थ भूमि का विभिन्न उद्देश्यों के लिए उपयोग से है जैसे कि कृषि, पशुचारण, खनन, सड़क आदि का निर्माण |

कारकः-

१ भू-आकृति

२ जलवायु

३ मानवीय कारक

४ भूमि तक पहुंच

दीर्घउत्तरीय प्रश्न

**प्र०१. स्वामित्व के आधार पर संसाधनों को चार वर्गो में वर्गीकृत कीजिए। प्रत्येक वर्ग की एक-एक मुख्य विशेषताओंका उल्लेख कीजिए।**

उ०१. <u>व्यक्तिगत संसाधन</u> : व्यक्ति वि`ोष का स्वामित्व। उदाहरण - घर, चारागाह आदि।

२. <u>सामुदायिक संसाधन</u> : समुदाय के सभी सदस्यों के लिए समान रूप से उपलब्ध। उदाहरण खेल का मैदान, पार्क आदि।

३. <u>राष्ट्रीय संसाधन</u> : देश की राजनीतिक सीमाओं के अन्दर। उदाहरण-खनिज, वन आदि।

४. <u>अन्तर्राष्ट्रीय संसाधन</u> : तट रेखा से २०० किमी की दूरी से परे खुले महासागरीय संसाधानों पर अन्तर्राष्ट्रीय संस्थाओं का स्वामित्व।

**प्र०२. संसाधन नियोजन क्या है ? संसाधानों की किन्हीं तीन उपयोगिताओं को लिखिए।**

उ० <u>संसाधन नियोजन</u>- एक तकनीक या कौशल है जिसके द्वारा हम अपने संसाधनों का उचित प्रयोग कर सकते है।

१ वे मनुष्य के लिए बड़े लाभकारी होते हैं।

२ उनके द्वारा विभिन्न चीजों का निर्माण होता है ।

३ संसाधन बड़े सीमित हैं । प्रकृति की इस महान देन को व्यर्थ में नष्ट न करें।

**प्र०३. नवीकरणीय संसाधन और अनवीकरणीय संसाधन में अन्तर स्पष्ट कीजिए-**

उ० <u>नवीकरणीय संसाधन</u>

१ एक बार खनन करने एवं प्रयोग करने से समाप्त नहीं होते।

२ लगातार इस्तेमाल किया जा सकता है। उदाहरण - भूमि, जल, वनस्पति आदि

<u>अनवीकरणीय संसाधन</u>

१ एक बार खनन एवं प्रयोग करने से समाप्त होते है।

२ खनिजों के भंडार सीमित हैं । उदाहरण - कोयला, खनिज तेल आदि।

**प्र०४. भारत मे पायी जाने वाली मृदाओं के प्रमुख प्रकारों का संक्षेप में विवरण दीजिए।**

उ०
| | | | |
|---|---|---|---|
| १ | जलोढ़ मृदा | २ | काली मृदा |
| ३ | लाल और पीली मृदा | ४ | लैटेराइट मृदा |
| ५ | पर्वतीय मृदा | ६ | मरूस्थलीय मृदा |

**प्र०५. रेगर मृदा क्या है ? इसकी दो वि`ोषताएं लिखिए। कोई दो क्षेत्र बताइए जहां रैगर मृदा पायी जाती है ?**

३०	रेगर मृदा - काली मृदा

**वि`ोषताएं**

१	बहुत अधिक महीन कण

२	नमी धारण करने की क्षमता बहुत अधिक।

३	गर्म मौसम में गहरी दरारें पड़ना

४	कैलशियम कार्बोनेट, पोटाश एवं चूना प्रचुर मात्र में

**क्षेत्र**

१	महाराष्ट्र मालवा का पठार

२	मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का पठार

## अध्याय-२

## वन एवं वन्य जीव संसाधान

अति लधु उत्तरात्मक प्रश्न

**प्र०१. पृथ्वी के विविध वनस्पतिजात और प्राणिजात पर निम्नलिखित कारण से दबाव बढ़ा है-**

पर्यावरण के प्रति असंवेदना

**प्र०२कौन सी प्रजाति मणिपुर की एक संकटग्रस्त प्रजाति है ?**

संगाई-मणिपुरी हिरण

**प्र०३ ‘‘वे जातियां जो इनके आवासो में खोज करने पर अनुपस्थित पाई गई है‘‘ क्या कहलाती है ?**

लुप्त जातियां

**प्र०४ निम्न में से किस औषधीय पौधों के प्रयोग से कुछ कैंसर रोगों का उपचार किया जा सकता है ?**

हिमालयन येव

**प्र०५ भारतीय वन्यजीवन संरक्षण अधिनियम लागू किया गया?**

१९७२

**प्र०६ वर्ष १९७३ में लागू किया गया ?**

क	बाघ परियोजना

**प्र०७** पश्चिमी **बंगाल में स्थित पार्क है ?**

सुन्दर वन राष्ट्रीय उद्यान

**प्र०८.पेरियार बाघ रिजर्व स्थित है ?**

केरल

**लघुउत्तरीय** प्रश्न

**प्र०१. औपनिवेशिक सरकार द्वारा किस तरह वनों को नुकसान पहुंचाया गया ?**

उ० १ रेलवे के विस्तार के लिए

२ कृषि भूमि में विस्तार के लिए

३ औद्योगिक एवं वैज्ञानिक वन्यीकरण के विस्तार के लिए

४ खनन गतिविधियों के विस्तार के लिये

**प्र०२. 'स्थायी वन क्षेत्र' से आप क्या समझते हैं ? किस राज्य में इस वन क्षेत्र के अन्तर्गत सर्वाधिक क्षेत्र हैं ?**

उ० आरक्षित एवं रक्षित वनों को 'स्थायी वन क्षेत्र' के नाम से जाना जाता है। इन वन क्षेत्रों का रख रखाव लकड़ी एवं अन्य वनोत्पाद प्राप्त करने तथा सुरक्षा कारणों से किया जाता है।

राज्य- मध्यप्रदेश (कुल वन क्षेत्र का लगभग ७५) प्रतिशत

**प्र०३ मनुष्य अपने अस्तित्व के लिये पारिस्थितिकी तंत्र पर निर्भर है। व्याख्या कीजिए।**

उ० पारिस्थितिकी तंत्र के एक अंग के रूप में मानव अपने अस्तित्व के लिये इन पर निर्भर है। उदाहरण -१ हम हवा में सांस लेते हैं , पानी पीते हैं तथा मिट्टी में अनाज उपजाते हैं, आदि। ये सभी पारिस्थितिकी तंत्र के अजैव घटक हैं।

२ विभिन्न पौधों, जन्तु तथा अन्य सूक्ष्मजीवी आपस में मिलकर इन अजैव घटकों की गुणवत्ता को पुनः सृजित करते हैं।

**प्र०४ आरक्षित वन एंव रक्षित वन में अन्तर स्पष्ट करिये**

| आरक्षित वन | रक्षित वन |
|---|---|
| १ वन एवं वन्य जीवन के संरक्षण की दृष्टि से इन वनों को अत्यधिक मूल्यवान माना जाता है। | १ इन वनों को और अधिक विनष्ट होने से बचाया गया है। |
| २ भारत के कुल वन क्षेत्र के आधे से अधिक हिस्से में इस तरह के वन फले हुए हैं। | २ भारत के कुल वन क्षेत्र के लगभग एक तिहाई हिस्से को रक्षित वन घोषित किया गया है। |
| ३ ये वन मुख्य रूप से जम्मू कश्मीर, आध्रप्रदेश, उत्तरांचल, केरल, तमिलनाडु, पश्चिमी बंगाल तथा महाराष्ट्र में पाये जाते हैं। | ३ ये वन मुख्य रूप से बिहार, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश राजस्थान एवं उड़ीसा में पाये जाते हैं। |

**प्र०५. भारत के कोई दो उत्तरी पूर्वी राज्यों के नाम बताइये जिनमें ६० प्रतिशत से अधिक वन आवरण हैं। दो कारण दीजिये।**

उ० दो उत्तरी पूर्वी राज्य १अरूणाचल प्रदेश २ मणिपुर

दो कारण :- १ बहुत अधिक वर्षा होना

२. भूमि पहाड़ी व ऊंची नीची है जिसके कारण वनों का शोषण आसानी से नहीं हो सकता और वन सुरक्षित रहते हैं।

**दीर्घउत्तरीय** प्रश्न

प्र०१. वे प्रतिकूल कारक कौन सेहैं जिनसे वनस्पतिजात और प्राणिजात का ऐसा भयानक ह्रास हुआ है ?

उ० १ रेल्वे लाईन का विस्तार

२ वनों का कृषि भूमि में रूपांतरण

३ खनन प्रक्रियाएं

४ बड़ी विकास परियोजनाएं जैसे नदी घाटी परियोजना

५ पशु चारण

६ आखेटन, पर्यावरणीय प्रदूषण।

**प्र०३. मनुष्य के लिये वन क्यों उपयोगी हैं?**

उ० १ वनों से मूल्यवान पदार्थ जैसे इमारती लकड़ी, कागज के लिये आवश्यक लकड़ी, गोंद, रबर आदि प्राप्त होते हैं।

२ मृदा का अपरदन रोकने में भी वनों का महत्वपूर्ण योगदान है।

३ वषा लाने में भी वनों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

४ वनों से अनेक प्रकार की जड़ी बूटियां प्राप्त होतीहैंजिससे अनेक प्रकार की दवाईयां बनती हैं।

**प्र०४. भारत में संयुक्त वन प्रबन्धन कार्यक्रम पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिये।**

उ० इस कार्यक्रम के अन्तर्गत संकटग्रस्त वनों के प्रबन्धन तथा पुनर्भरण के काम में स्थानोय समुदायों की हिस्सेदारी सुनिश्चित की जाती है। स्थानीय संस्थाओं के निर्माण पर निर्भर करता है जिनके द्वारा अधिकतर स्थानीय समुदायों के प्रबन्धन के अन्तर्गत आने वाले संकटग्रस्त वन क्षेत्र में सुरक्षा गतिविधियां चलाई जाती हैं । बदले में इन ग्रामीण समुदायों के सदस्य मध्य स्तरीय लाभ जैसे गैर इमारती वन उत्पाद के हकदार होते हैं तथा सकल संरक्षण से प्राप्त होने वाली इमारती लकड़ी में भी उन्हें हिस्सेदारी मिलती है।

**प्र०५. वनों के संरक्षण के उपायों का वर्णन कीजिये।**

उ० १ वनों का काटना बिल्कुल बंद होना चाहिए। गैर कानूनी ढंग से वृक्ष काटने वालों पर भारी जुर्माना किया जाता है।

२ संचार के मुख्य साधान जैसे समाचार पत्र, रेडियो, टेलीविजन और सिनेमा आदि भी इस में महत्वपूर्ण भूमिका अदा कर सकते है।

३ भारत में वनों के अन्तर्गत क्षेत्र वन राष्ट्रीय नीति के मापदण्डों के अनुसार बहुत कम हैं। हमें अपने प्राकृतिक वातावरण को शुद्व करने के लिये वना के अन्तर्गत क्षेत्र को ३३ प्रतिशत लाना होगा।

४ कहीं-कहीं लोगों ने वृक्ष काटने के विरूद्व अपनी आवाज भी उठाई है। इस सम्बन्ध में 'चिपको आंदोलन' महत्वपूर्ण है।

## अध्याय - ३
## जल संसाधान

अति लधु उत्तरात्मकप्रश्न

प्र.१ विश्व में जल के कुल आयतन का कितने प्रतिशत भाग महासागरों में पाया जाता है?

क ७६.५%

प्र.२ भारत के किस नगर में छत वर्षाजल संग्रह प्रचलित है ?

शिलांग

प्र.३ किस नदी पर नागार्जुन सागर बांध बनाया गया है?

कृष्णा नदी

प्र.४ पृथ्वी का कितना प्रतिशत भाग जल से ढका है?

क लगभग ७१%

प्र.५ प्रति व्यक्ति प्रतिवर्ष जल उपलबधता के संदर्भ में विश्व में भारत का कौन -सा स्थान है?

१३३ वॉ

प्र.६ देश का एक मात्र राज्य जहां वर्षा जलसंग्रहण ढाचों का बनाना अनिवार्य कर दिया है वह है-

तमिलनाडु

लधु उत्तरात्मक

प्र.१ वर्षा जल संसाधन के तीन कोई उद्देश्य लिखें ।

उतर क) व्यर्थ में बहते जल का उपयोग।

ख) भूमिगत जल जल स्तर को उॅचा करना।

ग ) भूमिगत जल प्रदूषण को कम करना।

प्र. २ बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना किसे कहते हैं ? किन्ही दो उद्देश्यों को समझाइए।

उतरः-  किसी नदी क जल पर बॉध बनाकर उनसे कई उद्देश्यों को पूरा करना ही बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजना कहलाता है।

उद्देश्यः-

१ सिंचाई

२ जल विद्युत पैदा करना

३ नौका संचालन

४ मत्स्य पालन

प्र. ३ भारत में सिंचाई के तीन प्रमुख साधन कौन से हैं? कौनसा साधन दक्षिण भारत में ज्यादा प्रचलित है ? तथा क्यों ?

उतर :- क नहरें          ख कुएँ, ट्यूब वेल्स

ग टैंक       घ तालाब

तालाबों से सिचाई क्योंकि दक्षिणी भारत की जमीन उबड़ , खाबड़ , एवं पथरीली है जहा नहरें बनाना संभव नहीं।

प्र. ४ 'जलाभाव' क्या है ? इसके प्रमुख कारण  लिखें।

उतर :- किसी क्षेत्र में वर्षा के अभाव मे आइ जल की कभी को जलाभाव कहतें हैं।

कारण -क  वर्षा का असमान्य वितरण        ख  निरंतर बढ़ती  जनसंख्या

ग  जल का अति दोहन        घ  प्रति व्यक्ति जल का अति उपयोग।

प्र. ५ किन्ही दो बहुउद्देश्यीय नदी घाटी परियोजनाओं एवं बाँधों के नाम लिखें जिनके कारण लोगों ने सामाजिक आन्दोलन शुरु  किए ।

उतर :-बहुउद्देश्यीय परियोजनाएँ -

क नर्मदा**बाँध**आन्दोलन

ख टेहरी**बाँध** आन्दोलन

ग सरदार-**सरोवर बाँध**

आन्दोलन के कारण

- वृहद स्तर पर स्थानीय समुदाओं के विस्थापन के कारण
- पर्यावरण मुदा संरक्षण
- सरकार पर पुन : आवास योजना पर बल

प्र. ६ संक्षेप मं समझाइए -

कबाँस सिंचाई प्रणाली ख-  'खडीन'  एवं जोहड. ।  ग  'कुल' अथवा 'गुल'

उतर :- क  मेद्यालय मे नदियों एवं झरनों के जल को बाँस पाइप द्वारा जल एकत्रीकरण की २०० साल पुरानी पद्धति है।

ख राजस्थान में जल को गढ्ढें में एकत्रित कर खेतों मे सिंचाई करने की पद्धति , जिसे जैसलमेर में खडीन और अन्य क्षेत्रें मे जोहड कहते हे।

ग पश्चिम हिमालय में पर्वतीय क्षेत्र के लोग नदी का रास्ता बदल कर छोटी घाटी वाहिकाओं द्वारा खेतों मे सिंचाई करने को 'गुल' अथवा कुल कहते हैं।

प्र. ७ हमें जल संसाधन को क्यों बचाना चाहिए ?

उतर - क जल एक आवश्यक पेय पदार्थ है।

- ख खाद्य अभाव को दूर करने के लिये|

-ग पारिस्थितिक तंत्र के संरक्षण के लिये

**प्र१.** 'वर्षा जल-संग्रहण' कैसे किया जा सकता है ? समझाइए ।

उत्तर : ( क ) वर्षा जल को तालाबों और गड्ढों में संरक्षित करना ।

( ख ) छोटे-छोटे बॉधव एनिकट बनाकर

( ग ) छत के जल को भूमिगत या टेंक मेंसंरक्षित करना ।

( घ ) भूमिगत बड़े-बड़े टेंक निर्माण ।

( ड़ ) विभिन्न प्रकार का वर्षा जल संरक्षण तकनीकी अपनाकर ।

**प्र २.** जल प्रदूषण के विभिन्न कारण कौन सें हैं । चार बिन्दुओं में वर्णन करें ।

उत्तर : कारण

( क ) घरेलू निष्काषित गन्दा और बेकार जल का मिश्रित होना ।

( ख ) जल में औद्योगिक जहरीले पदार्थ के मिश्रण से ।

( ग ) कृषि में प्रयुक्त रसायन, उर्वरक एवं कीटनाशक दवाओं का जल में घुलना ।

( घ ) समुद्र में जहाजों से खनिज तेल का रिसाब ।

अध्यायः **४ कृषि**

अति *लघु उत्तरात्मक प्रश्नः-*

प्र. १ भारत की जनसंख्या का कितना भाग कृषि पर आधारित है?

२/३

प्र.२ कृषि आधारित किसी एक उद्द्योग का नाम लिखो .......

जूट उद्द्योग

प्र.३ किसान जमीन के टुकड़े को साफ करके उस पर अपने परिवार के भरण- पोषण के लिए अनाज व अन्य खाद्य फसलें उगातें है वह कृषि है-

कर्तन-दहन प्रणाली कृषि

प्र.४ जिस कृषि के अन्तर्गत एक ही फसल लंबे चौड़े क्षेत्र में उगाई जाती है-

रोपण कृषि

प्र.५ 'खरीफ' की किसी एक फसल का नाम लिखो |

मक्का

प्र.६ प्राकृतिक रबड़ का अधिकतम उपयोग जिसके बनाने में होता है वह है-

मोटरगाडी के टायर टयूब बनाने में

प्र.७ भारत जिस फसल के उत्पादन व उपयोग में विश्व में सबसे अग्रणीय है वह है-

दालें

*लघु उत्तरात्मक प्रश्न:-*

प्र. ८ भारत की तीन शस्य ऋतुएँ कौनसी है ? सक्षेप मे किसी एक को समझाइये।

उतर :- भारत में तीन शस्य ऋतुएँ है-

क रबी ख खरीफ और ग जायद

क रबी :- बोने का समय-अक्टुबर से दिसम्बर|

फसल काटना -अप्रेल से जून|

फसलें -गेहूँ ,जौ, मटर, चना, सरसों

ख खरीफ :- बोने का समय - वर्षा ऋतु

काटने का समय -सितम्बर से अक्टुबर

फसलें -चावल, मक्का, ज्वार, बाजरा, तूर, मूंग, उडद, कपास, जूट,आदि|

ग जायद :- रंबी एवं खरीफ की फसलें की ऋतुओं के बीच ग्रीष्म ऋतु में बोयी जाती है।

फसलें - तरबुज,खरबूजे, खीरे सब्जियॉ।

प्र. ९ भारतीय कृषि पर वैंवीकरण के मुख्य तीन प्रभावों को बताइयें ।

उतर :- भारतीय कृषि उत्पादन विकसित दे'ाों मे उत्पादों से स्पर्धा करने के असक्षम ।

सीमांत एवं छोटे कृषकों की खराब स्थिति

अति रसायन उर्वकों के उपयोग से भूमि का निम्नीकरण।

प्र ४. रबी और खरीफ की फसलों में अन्तर लिखों ।

उत्तर :

| रबी | खरीफ़ |
|---|---|
| क. रबी की फसलें शीत ऋतु में अक्टू. दिसम्बर में उगाई जाती है। | खरीफ की फसलें: वर्षा ऋतुमें भारत के विभिन्न भागों बोई जाती हे तथा सितम्बर अक्टू. में काट ली जाती है। |

| | |
|---|---|
| ख गेहूँ, मटर, चना सरसों आदि इसके उदाहरण | धान, मक्का, ज्वार, बाजरा, तूर, कपास, जूट इत्यादि । |
| ग उत्पादक राज्य : पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, उत्तरांखण्ड | उत्पादक राज्य : आसाम, पं.बंगाल, उडीसा, आंध्र प्रदेश, महाराष्ट्र इत्यादि |

**प्र ५.** ' उद्यान कृषि ' या 'बागाती कृषि ' कृषि क्या है भारत में कौन -कौन फल उगाए जाते है|

उत्तर : फलों और सब्जियों के बाग लगाकर खेती करना बागाती कृषि कहते है

भारत में उगाई जाने वाली बागाती कृषि के अंतर्गत मुख्य फसलें :-

आम-महाराष्ट्र, आ.प्र., उ.प्र., पं.बंगाल

संतरे- नागपुर, चेरापुंजी

केले- केरल, मिजोरम, महाराष्ट्र, तमिलनाडु

लिची, अमरूद- उ.प्र. एवं बिहार

पाइनएपल -मेघालय

अंगुर-आन्ध्रा प्रदेश एवं महाराष्ट्र

सेब, नाशपती और अखरोट - जम्मु कश्मीर, हिमाचल प्रदेश

**प्र ६.** जीवन निर्वाहक कृषि एवं व्यापारिक कृषि में अन्तर बताइए ।

उत्तर :

| जीवन निर्वाहक कृषि | व्यापारिक कृषि |
|---|---|
| १ परम्परागत तरीकों से छोटे-छोटे खेत के टुकडों पर जीवन निर्वाह के लिए कृषि करना। | आधुनिक तरीको से बडे खेतों में कृषि करना जिसमें उन्नत बीज, कीटनाशक, उर्वरक, मशीनों का प्रयोग । |
| २ कृषक अपने परिवार, के भरण पेषण एवं स्थानीय बाजार की पूर्ति हेतु कृषि | वृहद स्तर पर बडे बाजार एंव निर्यात के लिए कृषि |
| ३ खाद्यन्न जैसे गेहूँ, चावल, मोटे अनाज का मुख्य उत्पादन<br>४ कम आबादी वाले क्षेत्र मे कृषि | गन्ना, कपास, गेहूँ आदि ।<br>अधिक आबादी वाले क्षेत्र मे कृषि |

*राजनैतिक विज्ञान*

**पाठ- १**

**सत्ता की साझेदारी**

**<u>अति लघु उत्तरीय प्रश्न</u>**

प्रश्न.१ राजधानी ब्रूसेल्स में डच और फ्रेंच और डच भाषी कितने लोग रहते हैं?

**६० प्रतिशत फ्रेंच ४० प्रतिशत डच**

**प्रश्न. २ सत्ता की साझेदारी के** दो लाभ लिखिए?

**१) देश में स्थायित्व सुनिश्चित करता है।**

**२) विभिन्न समूहों के मध्य विवाद कम करता है।**

**प्रश्न.३श्रीलंका की एकमात्र राजभाषा कौन सी थी?**

सिंहली

प्रश्न.४ बेल्जियम में कौन सा समुदाय धनी और शक्तिशाली था ?

**फ्रेंच**

**<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>**

**प्रश्न.१ बेल्जियम में सामुदायिक सरकार क्या थी?**

उत्तर- डच, फ्रेंच और जर्मन भाषायी समुदाय के लोगों द्वारा चुनी गई चाहें वे कहीं भी रह रहे हो। यह सांस्कृतिक शैक्षणिक और भाषा से संबंधित विषयों का फसला करता था।

**प्रश्न. २ बेल्जियम के लोगों द्वारा कौन सी राजनीतिक समस्याओं का सामना किया गया?**

उत्तर- जातीय बनावट की समस्या-

१. ५९%लोग डच ४0 % फ्रेंच, १%जर्मन बोलते हैं।

२. लेकिन राजधाानी क्षत्र में ८०% फ्रेंच और २०%डच बोलने वाले

३. फ्रांसीसी समुदाय धनी व शक्तिशाली थे।

**प्रश्न. ३ श्रीलंका की जातीय बनावट की विवेचना कीजिए।**

उत्तर- १. श्रीलंका में दो समुदाय हैं - सिंहली और तमिल

२. तमिलों में श्रीलंका के और भारत के तमिल है। औपनिवेशिक काल में रोपण कृषि करने के लिए जिनके पूर्वज भारत से श्रीलंका गए वे भारतीय तमिल हैं।

३. अधिकांश सिंहली बौद्ध धर्मावल्म्बी व तमिल हिन्दू और मुस्लिम हैं।

अत: श्रीलंका की समस्या थी कि कौन शक्ति का उपयोग करेगा और आर्थिक लाभों को उठायेगा?

**<u>दीर्घ उत्तरीय प्रश्न</u>**

**प्रश्न.१ बेल्जियम की सरकार ने जातीय समस्या का समाधान कैसे किया?**

उत्तर- बेल्जियम ने समझदारी की नीति का मार्ग अपनाया।

१. केन्द्र सरकार में डच और फ्रेंच भाषी मंत्रियों की संख्या बराबर रखी

२. केन्द्र सरकार की बहुत सी शक्तियों को राज्य सरकार को दे दिया गया। राज्य सरकार केन्द्र सरकार के अधीन नहीं थी।

३. यहां तीसरे प्रकार की सरकार थी जिसे सामुदायिक सरकार कहा जाता था। जो डच फ्रेंच और जर्मन लोगों द्वारा चाहे वे कहीं के निवासी हो द्वारा चुना जाता था।

**प्रश्न.२ बहुसंख्यक वाद क्या है? कैसे इसने श्रीलंका में बहुसंख्यक समुदाय** को थोंपने **का प्रयास किया?**

उत्तर- बहुसंख्यक समाज ने देश में जिस रूप से चाहते थे अपना प्रभुत्व स्थापित किया और पूर्णरूप से अल्संख्यकों की इच्छा और आवश्यकताओं की अवहेलना की जिसे बहुसंख्यकवाद कहा जाता था।

१. श्रीलंका में सिंहली समुदाय के नेताओं ने सरकार में बहुसंख्यकों के कारण अपना प्रभुत्व स्थापित किया। तमिलों की उपेक्षा करके सिंहली भाषा को राजभाषा घोषित किया गया।

२. सरकार ने विश्वविद्यालयों और सरकारी नौकरियों में सिंहलियों को प्राथमिकता दी।

३. सरकार ने बौद्व धर्म को संरक्षण  बढावा दिया।

यह अविश्वास गृहयुद्व में बदल गया और जो श्रीलंका  के सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक जीवन को पिछड़ने का कारण बना।

**अतिरिक्त प्रश्न**

प्रश्न.१ लोकतंत्र के लिए सत्ता की साझेदारी क्यों उत्तम हैं।

प्रश्न.२ सत्ता की साझेदारी क्यों आवश्यक है?

प्रश्न.३ आधुनिक लोकतंत्र में सत्ता की साझेदारी के विभिन्न रूपों की विवेचना कीजिए।

प्रश्न.४ बहुसंख्यकवाद की क्या कमियां है?

प्रश्न.५ क्या सत्ता की साझेदारी की व्यवस्था में परिर्वतन संभव है? अगर है तो कैसे

## पाठ- २

## संघवाद

सरकार की संघवाद व्यवस्था का जन्म  यू.एस.ए. में हुआ। यह एक ऐसी व्यवस्था है जिसमें सत्ता की साझेदारी केन्द्र राज्य और स्थानीय स्तर पर होती है। संघवाद दो प्रकार से गठित होती है। साथ आकर संघ बनाने के ढंग से  २. सबको साथ लेकर चलने के ढंग से।

भारत में शक्तियों का विभाजन तीन सूचियों में किया गया है- केन्द्र संघ सूची राज्य सूची समवर्ती सूची। बाकी बची हुई शक्तियों को केन्द्र के पास रखा गया हैं केन्द्र शासित प्रदेशों और जम्मू कश्मीर के लिए विशेष प्रावधान की व्यवस्था है।

भारत में भाषा के आधार पर राज्यों का गठन भाषा नीति केन्द्र और राज्य के संबंध और स्थानीय स्तर पर शक्तियों का विभाजन संघवाद का अभ्यास है।

**<u>अति लघु उत्तरीय प्रश्न</u>**

**प्रश्न.१** संविधाान  द्वारा कितनी अनुसूचित भाषाओं को मान्यता मिली है।

हिन्दी के अतिरिक्त २१ अनुसूचित भाषाएं

**प्रश्न. २ खण्ड स्तर की सरकार क्या कहलाती है?**

पंचायत समिति

**प्रश्न. ३ जिला स्तर पर कौन सी स्थानीय सरकार  कार्य करती है?**

जिला परिषद

**प्रश्न. ४ नगरों में स्थानीय सरकार को किस नाम से जाना जाता है?**

i ) नगर पालिका ( ii ) नगर निगम

प्रश्न.५ नगर निगम का अधयक्ष कौन होता है?

मेयर

**<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>**

**प्रश्न. १** भारत में संघवाद की सफलता का वास्तविक कारण क्या है ?

उत्तर- १. संवैधानिक प्रावधानों को स्पष्ट रूप से वर्णित किया गया है।

२. लोकतांत्रिक राजनीति के स्वभाव ने इसकी सफलता को सुनिश्चित किया है।

३.विभिन्नता के लिए सम्मान है

**प्रश्न.२ संघीय व्यवस्था के क्या उद्देश्य हैं ?**

उत्तर-संघीय व्यवस्था के दो उद्देश्य हैं एक देश की एकता और सुरक्षा को बढ़ावा देना और क्षेत्रीय विविधता को संरक्षण देना। यह एक दूसरे के आपसी विश्वास और साथ रहने के समझौते पर आधारित है।

**प्रश्न. ३ १९९० तक जब विभिन्न दल केन्द्र और राज्य पर शासन करते थे तब केन्द्र और राज्यों के संबंध कैसे थे ?**

उत्तर-जब विभिन्न दल केन्द्र और राज्य स्तर पर शासन करते थे तब केन्द्र राज्यों की शक्तियों का हनन करते थे।

केन्द्र सरकार द्वारा संविधान का दुरूपयोग कर उन राज्य सरकारों को बर्खास्त किया जाता था जहाँ दूसरी पार्टी का नियंत्रण होता था यह संघवाद की भावना के विरूद्व है।

**प्रश्न. ४ सरकार द्वारा अपनाई गई भाषा नीति क्या ह** ?

उत्तर- हिन्दी को राजभाषा का दर्जा दिया गया। अन्य भाषाओं के संरक्षण के अन्तर्गत २१ अन्य भाषाओं को लिया गया। हिन्दी के अतिरिक्त अंग्रेजी को भी राजभाषा माना गया है व कुछ राज्यों की भावनाओं का सम्मान किया गया। सरकार ने अहिन्दी भाषी राज्यों पर हिन्दी थोपने की नीति नहीं अपनाई । भारतीय भाषा नीति लचीली है।

**विस्तृत प्रश्न उत्तर-**

**प्रश्न. १ संघवाद की** विशेषताएँ बताइए ।

उत्तर- दो या दो से अधिाक स्तर की सरकारें २. प्रत्येक स्तर का अपना क्षेत्रधिकार है ३. संविधान के मौलिक प्रावधानों में परिर्वतन के लिए दोनों स्तरों की सरकारों की सहमति आवश्यक है ४. प्रत्येक स्तर पर आय के स्त्रोतों का बंटवारा किया गया है ।

**प्रश्न. २ १९९२ में विकेन्द्रीकरण के संदर्भ में क्या कदम उठाए गए?**

उत्तर- १९९२ में तीसरे स्तर की लोकतांत्रिक व्यवस्था की गई व ग्रामीण स्थानीय स्वशासन की तरफ्कदम बढ़ाया गया।

१. पंचायत के नियमित चुनाव होंगे २.अनुसूचित जाति और जनजाति की सीट आरक्षित की गई

३. स्त्रियों के लिए एक तिहाई सीट आरक्षित की गई।

४. राज्य सरकार स्थानीय सरकारों के साथ अपनी शक्ति व आय का बंटवारा करेंगी

**अतिरिक्त प्रश्न-**

प्रश्न.१ भारत में कुछ राज्यों द्वारा विशेषधिकारों का प्रयोग क्यों किया जाता है? वे कौन से हैं ?

प्रश्न. २ भारत में किस प्रकार का संघवाद है? यह संयुक्त राज्य अमरीका के संघवाद से किस प्रकार भिन्न है?

प्रश्न. ३ संविधान द्वारा तीनों स्तरों की सरकारों के मध्य विधायी शक्तियां किस प्रकार विभाजित है ?

प्रश्न. ४ एकात्मक और संघात्मक सरकार में अंतर बताइये।

**अध्याय-३**

## लोकतंत्र और विविधता

पारिभाषिक शब्द–

1. **सामाजिक विभाजन–** सामाजिक विभाजन का नस्लवादी रूप अर्थात रंग के आधार पर सामाजिक भेद विभिन्न समाजों में व्यापक रूप से पाया जाता है। अमेरिका में श्वेत एवं अश्वेत नस्लवादी समूहों में अक्सर संघर्ष होता रहता है। श्वेत लोग अश्वेत लोगों को अपने से निम्न कोटि का और मूर्ख समझते है तथा उनके साथ अमानवीय व्यवहार करते है।
2. **नस्लवादी विभाजन–** इसका अर्थ है कि किसी विशेष नस्लवादी समूह के लोगों में एकता पाई जाती है। विभिन्न प्रकार के नस्लवादी जेसे अश्वेत–श्वेत आदि अधिक व्यापक नही होते।
3. **अमेरिका में नागरिक आंदोलन (1954–1968)–** घटनाओं और सुधार आंदोलनों का एक सिलसिला जिसका उद्देश्य एफ्रो अमेरिकी लोगों के विरूद्व होने वाले नस्ल आधारित भेदभाव को मिटाना था। मार्टिन लूथर किंग जूनियर की अगुवाई में लड़े गए इस आंदोलन का स्वरूप पूरी तरह अहिंसक था। इसने नस्ल के आधार पर भेदभाव करने वाले कानूनों और व्यवहार को समाप्त करने की मांग उठाई जो अंततः सफल हुई।
4. **समरूप समाज–**एक ऐसा समाज जिसमें सामुदायिक, सांस्कृतिक या जातीय विभिन्नताएं ज्यादा गहरी नहीं होती।
5. लोकतंत्र के दो मुख्य प्रकार है–
   (1)प्रत्यक्ष

(2)अप्रत्यक्ष

## अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्र०१. अमेरिका में होने वाला नागरिक अधिकार आंदोलन (१९५४-१९६८) का मुख्य उद्देश्य क्या था ?**

अफ़्रीकी - अमेरिकन लोगों के खिलाफ होने वाले कानूनी नस्लवादी भेदभाव को मिटाना।

**प्र०२. वेल्जियम में किस प्रकार की सामाजिक विविधता है?**

भाषाई

**प्र०३. किसका आशय अमेरिका में अश्वेत शक्ति आंदोलन (१९६६-७५) से है?**

नस्लवाद के विरूद्व एक उग्र आंदोलन

**प्र०४. भारत में सामाजिक विभाजन के मुख्य आधार हैं?**

भाषा,धम , जाति

**प्र०५. सामाजिक भेदभाव की सर्वाधिक महत्वपूर्ण उत्पत्ति क्या है?**

जन्म पर आधारित

**प्र०६. उत्तरी आयरलैण्ड में कैथोलिक लोगों का प्रतिनिधि राजनीतिक दल है?**

नेशनलिस्ट पार्टी

**प्र०७. हाल ही में किस यूनिवर्सिटी ने अपने कैम्प्स में स्मिथ, कार्लोस आर नॉमर्न की मूर्तियाँ लगवाई है?**

सैन हॉज स्टेट यूनिवर्सिटी

**प्र०८. लोकतंत्र में सामाजिक विभाजनों की वास्तविक राजनीतिक अभिव्यक्ति है ?**

यह एक सामान्य व्यवहार है।

**प्र०९. श्रीलंका में किस तरह का सामाजिक विभेद है ?**

भाषाई एवं धाार्मिक

**प्र०१० १७वीं एवं १९वीं शताब्दियों के बीच अमेरिकी दास किस नाम से जाने जाते थे ?**

अफ़्रो-अमेरिकन

**लघुउत्तरीय प्रश्न**

**प्र०१. सामाजिक विभाजन की राजनीति के परिणाम निर्धारित करने वाले घटकों की चर्चा कीजिए|**

उत्तर
१ लोग अपनी पहचान को किस तरह देखते हैं ?
२ राजनीतिक नेता किस तरह किसी समुदाय की मांग को उठाते हैं ?
३ विभिन्न समूहों की मांगों के प्रति सरकार का रवैया कैसा है ?

**प्र०२. टॉमी स्मिथ और जॉन कारलोस में तीन समानताएं बताइए।**

१ दोनों अफ़्रोकन - अमेरिकन थे।
२ दोनों ने १९६८ के ओलम्पिक खेलो में पदक जीते।
३ दोनों ने अमेरिका की रंगभेद की नीति का विरोध किया।

**प्र०३ लोकतंत्र कितने प्रकार का होता है ? इसकी दो विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।**

उ० लोकतंत्र के दो प्रकार है -

१ प्रत्यक्ष लोकतंत्र

२ अप्रत्यक्ष लोकतंत्र

१लोकतंत्र में जनता अपनी भावनाओं और अपेक्षाओं को अपनी मांगों के रूप में व्यक्त कर सकती है।

२लोकतंत्र में दो विभिन्न हितों वाले सामाजिक विभाजनों के बीच सामंजस्य की व्यवस्था होती है।

३लोकतंत्र जनता का ही अपने स्वयं के ऊपर शासन करने की पद्धति है।

**प्र०४. पीटर नार्मन कौन था ? उसने कार्लोस ओर स्मिथ का साथ क्यों दिया ? इसकी उसे क्या सजा मिली ?**

उ० पीटर नार्मन मैक्सिको ओलम्पिक्स में भाग लेने वाला आस्ट्रेलियाई धावक था।

नार्मन ने पुरस्कार समारोह में अपनी जर्सी पर मानवाधिकार का बिल्ला लगाकर दोनों अमेरिकी अश्वेत खिलाड़ियों द्वारा विरोध के प्रति अपना समर्थन प्रकट किया था। इसकी सजा के रूप में पीटर नार्मन का अगले ओलम्पिक्स में आस्ट्रेलियाई की टीम में जगह नहीं दी गई ।

**प्र०५. प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

उ०

| प्रत्यक्ष लोकतंत्र | अप्रत्यक्ष लोकतंत्र |
|---|---|
| १ देश के शासन में जनता प्रत्यक्ष रूप से भाग लेती है। | १ जनता अपने चुने हुए प्रतिनिधियों के माध्यम से भाग लेती है। |
| २ छोटी जनसंख्या वाले देशों के लिये व्यवहारिक हो सकता है। | २ अधिक जनसंख्या वाले देशों के लिये व्यवहारिक हो सकता है। |
| ३ देश/समाज के प्रत्येक सदस्य को अपनी बात कहने का अवसर प्राप्त होता है। | ३ इसमें सामाजिक समूहों का मत महत्वपूर्ण होता है तथा बहुमत सदैव नीति या नियमों के निर्माण में प्रभावी होता है। |

**दीर्घउत्तरीय प्रश्न**

**प्र०१. सामाजिक अंतर से आप क्या समझते हैं ? सामाजिक अंतर समाज में कैसे विभाजन उत्पन्न करता है ?**

उ० सामाजिक अंतर-समाज में जन्मजात या जैविक एवं सामाजिक रूप से उत्पन्न असमानताओं से है। यह नस्ल, जाति, वर्ग, धर्म, भाषा, संस्कृति आदि पर आधारित होता है।

१ जब कुछ सामाजिक अंतर अन्य विभिन्नताओं से ऊपर और बड़े हो जाते है जैसे-श्वेत एवं अश्वेत समुदाय के बीच का अंतर, अमेरिका में सामाजिक विभाजन का एक कारण है।

२ वे समूह जो किसी मुद्दे पर सामूहिक हित की बात करते हैं अन्य मुद्दों पर उनके विचार अलग अलग हो सकते हैं। जैसे उत्तरी आयरलैण्ड और नीदरलैण्ड मे मुख्य रूप से ईसाई धर्म मानने वाले लोग रहते हैं, परन्तु वे कैथोलिक तथा पोटेस्टेंट समुदायों में विभाजित हैं।

३ अति आच्छादित सामाजिक अंतर गहरा सामाजिक विभाजन एवं तनावों की संभावनाएं उत्पन्न करता है।

**प्र०२. एक लोकतांत्रिक सरकार स्वेच्छा से कार्य क्यों नहीं कर सकती ? चार कारणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।**

उ० १ जनता के द्वारा चुने गये प्रतिनिधियों द्वारा निर्मित होती है।

२ इस सरकार के ऊपर विपक्षी पार्टी का भी दबाव रहता है।

३ सरकार पर प्रेस एंव मीडिया का भी दबाव रहता है।

४ प्रायः पार्टी उन्हीं नीतियों पर चलती है जिनको जनता के बीच रखकर उन्होने चुनाव जीता था।

**प्र०३. सामाजिक विभाजन कई रूपों में हो सकता है। वर्णन कीजिये।**

उ० १ सामाजिक विभाजन का नस्लवादी रूप अर्थात रंग के आधार पर सामाजिक भेद विभिन्न समाजों में व्यापक रूप से पाया जाता है।

२ भारत में वर्ण एवं जाति आधारित सामाजिक विभाजन पाया जाता है। ब्राहमणो को सर्वोच्च वर्ण माना जाता है जबकि शुद्र को निम्न वर्ण माना जाता है।

३ भाषाइ विभाजन सभी समाजों में पाया जाने वाला सामाजिक विभाजन का एक अन्य रूप है। विश्व में १००० से अधिक भाषाएं बोली जाती है।

४ सामाजिक विभाजन को समाज के सांस्कृतिक एंव उप सांस्कृतिक विभाजनो के द्वारा भी दर्शाया जाता है।

**प्र०५. लोकतंत्र को सरकार का श्रेष्ठ रूप क्यों माना जाता है ? चार कारणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।**

उ० १ सरकार का निर्माण जनता द्वारा चुने हुए प्रतिनिधियों द्वारा होता है।

२ लोगों को अपने विचारों एवं विश्वासों की अभिव्यक्ति का अवसर प्राप्त होता है।

३ सरकार को बदलने का विकल्प जनता के हाथ में एक हथियार है जो सरकार को स्वेच्छाचारी होने से रोकता है।

४ सभी नागरिकों को बिना किसी भेदभाव के सरकार एवं शासन में भाग लेने का समान अवसर प्रदान करता है।

**अध्याय-४**

## जाति, धर्म और लैंगिक मसले

पारिभाषिक शब्द–

(1) **श्रम का लैंगिक विभाजन**–काम के बंटवारे का वह तरीका जिसमें घर के अंदर के सारे काम परिवार की औरतें, करती हैं या अपनी देखरेख में घरेलू नौकरों/ नौकरानियों से कराती हैं।

(2) **नारीवादी** –औरत और मर्द के समान अधिकारों और अवसरों में विश्वास करने वाली महिला या पुरूष।

(3) **पारिवारिक कानून**–विवाह, तलाक, गोद लेना और उत्तराधिकार जैसे परिवार से जुड़े मसलों से सम्बन्धित कानून। हमारे देश में सभी धर्मो के लिए अलग–अलग पारिवारिक कानून है।

(4) **वर्ण व्यवस्था** –जाति समूहों का पदानुक्रम जिसमें एक जाति के लोग हर हाल में सामाजिक पायदान में सबसे ऊपर रहेंगे तो किसी अन्य जाति समूह के लोग क्रमागत के रूप से उनके नीचे।

(5) **शहरीकरण**–ग्रामीण इलाकों से निकलकर लोगों का शहरों में बसना।

### अति लघु उत्तरीय प्रश्न

**प्र०१.** ब्रम्ह समाज की स्थपना किसने की थी ?

राजा राम मोहन रॉय

**प्र०२ धर्म के सम्बन्ध में महात्मा गांधी** के **क्या विचार** थे **?**

धर्म से उनका मतलब नैतिक मूल्यों से था जो सभी धर्मो से जुड़े हों।

**प्र०३ उन दो राजनेताओं के नाम बताइये जिन्होने जातीय असमानताओं के विरूद्व लड़ाई लड़ी ?**

महात्मा गांधी एवं डॉ.बी.आर.अम्बेडकर

**प्र०४. भारत** का **जनसंख्या लिंग अनुपात** कितना **है ?**

९४०

**प्र०५ लिंग विभाजन से** क्या आशय **है ?**

समाज द्वारा पुरूष तथा महिलाओं के लिये निर्धारित असमान भूमिका

**प्र०६ साम्प्रदायिक राजनीति का आधार है -**

विभिन्न धर्मो के लोगों के भिन्न हित होते हैं जिनसे टकराव उत्पन्न होते हैं।

**लघुउत्तरीय प्रश्न**

**प्र०१. महिला साक्षरता दर में कमी के लिये उत्तरदायी तीन कारणों का वर्णन करिए।**

उ० १ भारतीय समाज मूलतः पितृ-सत्तामक समाज है जहाँ लड़कों को लड़कियोंपर वरीयता दी जाती है।

२ माँ बाप अपने संसाधानों को भी लड़के-लड़की दोनों पर बराबर खर्च करने की जगह लड़को पर ज्यादा खर्च करना पसंद करते हैं।

३ लोगो की यह धारणा बनी हुई है कि महिलाएं पढ़ लिखकर क्या करेंगी? उन्हें तो आखिर में घर का काम-काज ही संभालना है।

**प्र०२. एक धर्मनिरपेक्ष राज्य स क्या तात्पर्य है ? किन्हीं दो प्रावधानों का जिक्र करें जो भारत को धर्मनिरपेक्ष देश बनाते हैं ?**

उ० एक ऐसा राज्य जहाँ किसी विशेष धर्म के अनुयायियों को विशेष प्रकार का स्थान या अधिकार न दिये जाते हों ।

<u>**प्रावधान**</u>

१ भारतीय राज्य में किसी भी धर्म को राजकीय धर्म के रूप में स्वीकार नहीं किया गया। पाकिस्तान का धर्म इस्लाम है, श्री लंका का धर्म बौद्व धर्म, इंग्लैण्ड का धर्म ईसाई है, इसके विपरीत भारत किसी भी धर्म को कोई विशेष दर्जा नहीं देता है।

२ भारतीय संविधाान ने सभी नागरिकों और समुदायों को यह आजादी दे रखी है कि वे किसी भी धम का पालन करें और उसका प्रचार-प्रसार करें ।

**प्र०३. नागरिक अधिकार आंदोलन किस देश में शुरू किया गया ? इस आंदोलन से जुड़े किसी नेता का नाम बताइये। इन्होने इसे क्यों शुरू किया ?**

उ० देश - अमेरिका। नेता - मार्टिंग लूथर किंग। इसका उद्देश्य अफ्रीकी -अमेरिकी लोगों के विरूद्व होने वाले नस्ल आधारित भेदभाव को मिटाना था।

**प्र०४. लैंगिक विभाजन से आप क्या समझते हैं ? अधिकांश समाज में उसे श्रम विभाजन से कैसे** जोड़ा **जा सकता है ?**

उ० लैंगिक विभाजन - पुरूषों एवं महिलाओं के बीच काम के विभाजन से है। कुछ कार्य विशेषकर घरेलू कार्य जैसे खाना बनाना, कपड़े धोना, सफाई करना आदि केवल महिलाओं द्वारा किये जाते हैं जबकि पुरूष कुछ विशेष प्रकार के कार्य करते हैं ।

१ पुरूष एवं महिलाओं के बीच लिंग विभाजन का यह अर्थ नही है कि पुरूष घरेलू कार्य नही कर सकते हैं । वे बस इतना सोचते हैं कि घरेलू कार्य करना महिलाओं का काम है।

२ लिंग विभाजन का यह अर्थ भी नही होता है कि महिलायें अपने घर से बाहर का कार्य नहीं करती हैं ।

**प्र०५. साम्प्रदायिकता से समाज पर पड़ने वाले तीन प्रमुख दुष्प्रभावों को बताइये।**

उ० १ साम्प्रदायिकता सोच प्रायः अपने धार्मिक समुदायों का राजनीतिक प्रभुत्व स्थापित करने की फिराक में रहती है।

२ राजनीतिक गतिविधियां संचालित करने, राजनीतिक पाटियों की स्थापना करने से देश कमजोर होता है।

३ कई बार साम्प्रदायिकता सबसे गंदा रूप लेकर संप्रदाय के आधार पर हिंसा, दंगा, नरसंहार कराती है।

**दीर्घउत्तरीय प्रश्न**

**प्र०१. भारत में महिलाओं की निम्न और दयनीय स्थिति के लिये कौन से कारण उत्तरदायी है ? स्पष्ट कीजिए।**

उ० १ श्रम का लैंगिक विभाजन २ अशिक्षा

३ राजनीति में प्रतिनिधित्व की कमी ४ नौकरी में भेदभाव।

**प्र०२. भारत में जाति-राजनीति सम्बन्धी के दो सकारात्मक तथा दो नकारात्मक प्रभावों को लिखिए ।**

उ० १ **सकारात्मक प्रभाव**

१ जाति राजनीति सम्बन्धी ने दलितों एवं अन्य पिछड़ी जाति के लोगों की लोकतांत्रिक फसलो में भागीदारी को बढ़ाया है।

२ अब लोग किसी जाति विशेष के साथ किए जा रहे भेदभाव, सम्मान की सुरक्षा तथा भूमि संसाधन एवं नौकरियों के साथ समान अवसर की उपलब्धता के लिये आवाज उठाने लगे हैं ।

२ **नकारात्मक प्रभाव**

१ कभी कभी कुछ विशिष्ट जाति के लोग अधिक लाभान्वित होते हैं जबकि अन्य जाति के लाग उन लाभों से वंचित रह जाते हैं ।

२ कभी-कभी यह सामाजिक सद्भाव को ठेस पहुंचाता है जिसका परिणाम कभी कभी जातीय हिंसा के रूप में भी सामने आता है।

**प्र०३. नारीवादी आंदोलन किसे कहते है ? लिंग विभाजन की राजनीतिक अभिव्यक्ति के क्या परिणाम होते हैं?**

उ० <u>नारीवादी आंदोलन</u> - जिसकी मांग महिलाओं की राजनैतिक एवं वैधानिक दशा में और उनके लिए शैक्षणिक अवसर में सुधार लाना हो इसका लक्ष्य व्यक्तिगत तथा पारिवारिक जीवन में समानता प्राप्त करना है।

१ पुरूषों एवं महिलाओं की समानता अथवा लैंगिक मसला नारीवादी आंदोलन के परिणामस्वरूप उठाया गया है। विश्व के विभिन्न भागो में महिलायें संगठित हुई ओर समान अधिकार के लिये आंदोलन प्रारम्भ किया।

२ राजनीतिक अभिव्यक्ति एवं राजनीतिक लामबंदी ने सावर्जनिक जीवन में महिलाओं की भूमिका सुधारने में सहायता दी।

३ राजनीति में लिंग विभाजन की अभिव्यक्ति के फलस्वरूप कई कानून पारित किये गये जिनके द्वारा महिलाओं को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक क्षेत्रे में सशक्त बनाया गया।

**प्र०५. महिला सशक्तीकरण एवं लैंगिक समानता के क्षेत्र में सरकार द्वारा उठाये गये किन्हीं चार कदमों का वर्णन कीजिये ।**

उ०. १.भारत की विधायिका में महिला प्रतिनिधियों का अनुपात १० प्रतिशत से भी कम है। राज्य की विधानसभाओं में उनका प्रतिनिधित्व ५ प्रतिशत से भी कम है।

२ समान मजदूरी से सम्बन्धित अधिनियम में कहा गया है कि समान काम के लिये समान मजदूरी दी जायेगी।

३ भारत के अनेक हिस्सो में लड़की को जन्म देने से पहले ही खत्म कर देने की मानिसकता प्रचलित है।

४ महिलाओं के उत्पीड़न, शोषण ओर उनके प्रति हिंसा की खबरें प्रायः सुनने को मिलती हैं । सरकार ने इस संदर्भ में घरेलू हिंसा कानून द्वारा उन्हें सुरक्षा प्रदान करने की कोशिश

# अर्थशास्त्र

**अध्याय-१**

**: विकास :**

## <u>अति लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

प्र. १ देश की कुल आय को कुल जनंसख्या से भाग देने पर आता है-

प्रति व्यक्ति आय

प्र. २ कौन सा संगठन (संस्था) मानव विकास रिपोर्ट को प्रकाशित करती है?

संयुक्त विकास राष्ट्र कार्यक्रम

प्र. ३ सामान्यतया किसी देश का विकास किस आधार पर निर्धारित किया जाता है?

प्रति व्यक्ति आय, औसत साक्षर स्तर,लोगों की स्वास्थ्य स्थिति

प्र. ४ मानव विकास रिर्पार्ट २००६ के अनुसार किस पड़ोसी देश की प्रति व्यक्ति आय सबसे अधिक है-

श्रीलंका

---

## <u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

प्र.१. विकास के संदर्भ में विभिन्न लोगों के विभिन्न उद्देदश्य क्यों होते हैं ?

उत्तर : ( क ) अलग-अलग लोगों की अलग-अलग इच्छाएँएवं अपेक्षाएँ

( ख ) कुछ लोगअधिक आय और बच्चों की बेहतर शिक्षा का लक्ष्य

( ग ) कुछ लोग सामाजिक असमानता एवं अपनी उपज के अधिकतम मूल्य का लक्ष्य

प्र.२. देशों की तुलना करने में कुल आय की अपेक्षा में औसत आय को आधार क्यों मानते हैं ?

उत्तर : कुल आय की अपेक्षा औसत आय से तुलना करने का कारण :

(क) कुल आय तुलना एवं माप का सही प्रमाप नहीं ।

(ख) अलग-अलग देशों की कुल जनसंख्या भी अलग-अलग

(ग) औसत आय का प्रमाप ही देशों की तुलना का सही प्रमाप-जिसे प्रतिव्यक्ति आय भी कहते हैं ।

प्रति व्यक्ति आय =<u>कुल आय</u>

कुल जनसंख्या

घ  देश की कुल आय केवल देश के निवासियों की आय की गणना, जो उचित आधार नहीं ।

**प्र.३.** भारत को विकसित देशों में आने के लिए सुझाव लिखें ।

उत्तर :  क बढ़ती जनसंख्या दर पर नियंत्रण

ख  आधुनिक तकनीकी  का उपयोग सिंचाई, रासायनिक उर्वरक,किसानों को आधुनिक तकनीकी  औजार एवं आधुनिक सूचनाएँ ।

ग  नई आर्थिक नीतियों, अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार, उदारीकरण एंव वैश्विक नीतियों का प्रभाव पूर्ण तरीके  से लागू करना ।

घ सभी प्रदेशों एवं क्षेत्रें में आधारभूत संरचना, शिक्षा, स्वास्थ्य, बिजली, जल, यातायात, इत्यादि का समान वितरण

**प्र ४.** विभिन्न देशों के वर्गीकरण में विश्व बैंक का क्या आधार है ? इस आधार की सीमितता क्या है ?

उत्तर : मुख्य आधार : प्रति व्यक्ति आय

**सीमितता** :-  क  आय का लोगों मं वितरण की सीमितता

ख  प्रदूषण के मूल्य की गणना इसमें शामिल नहीं

ग  प्रति व्यक्ति आय गणना में शिशु मृत्यु दर, साक्षरता दर, शिशु उपस्थिति का अनुपात शामिल नहीं

**प्र १.** 'सतत् पोष्णीय' विकास का क्या अर्थ है ? इसकी मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ?

उत्तर : ' सतत् पोष्णीय  आर्थिक विकास ' का अर्थ है कि विकास पर्यावरण को बिना नुकसान पहुचाए हो और वर्तमान विकास की प्रक्रिया भविष्य की पीढ़ियों की आवश्यकता की अवहेलना न करना ।

मुख्य विशेषताएँ :-

क  संसाधानों का आवश्कता अनुसार वर्तमान एवं भावी पीढ़ी द्वारा प्रयोग ।

ख  अनुपयोगी वस्तुओं का पुनः चक्रण द्वारा उपयोगी बनवाना ।

ग  पर्यावरण मित्रता तकनीकी का उपयोग ।

घ  बढ़तीजनसंख्या पर प्रभावपूर्ण नियंत्रण ।

प्र.२ मानव विकास सूचकांक क्या है? इसे कौन तैयार करता है? मानव विकास मूल्यांकन के आधाार भूत तत्व कौनसे हैं ?

उतर- १ किसी भी देश के व्यापक विकास को मापने हेतु विभिन्न स्तरों का समग्र मूल्यांकन ही मानव विकास सूचकांक है।जिसमें प्रतिव्यक्ति

आय, स्वास्थ्य, शिक्षा इत्यादि सूचकांक होते हैं ।

२  इस को सयुंक्त राष्ट्रीय विकास संगठन यू.एन.डी.पी. तैयार एंव प्रकाशित करता है।

३  क.  जन्म के साथ संभावित आयु

ख.  तीनों स्तर प्राथमिक माघ्यमिक एंव उच्च शिक्षा के नामांकन

ग.  प्रतिव्यक्ति आय की गणना, इसकी गणना डालर में की जाती है

**अघ्याय  २ भारतीय अर्थव्यवस्था के क्षेत्रक**

## <u>अति लघु उत्तरीय प्रश्न</u>

प्र. १ भारत में कौन सा क्षेत्रक सन्  २००३ में आय के आधार पर  सबसे अग्रणीय क्षेत्रक रहा है?

तृतीयक

प्र. २ किसी विशेष वर्ष में उत्पादित ......................के मूल्य के कुल योगफल को जी.डी.पी. कहते हैं।

सभी अंतिम वस्तुओं और सेवाओं

प्र. ३ सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रक किस आधार पर उद्यमों का  वर्गीकरण  है।

उद्यमों का स्वामित्व

प्र. ४  नरेगा २००५  एक वर्ष में कितने दिनों की रोजगार की गारंटी होती है?

१०० दिन

**<u>लघु उत्तरीय प्रश्न</u>**

प्र.१. सार्वजनिक एवं निजी क्षेत्रक में क्या अंतर है ?

उत्तर :

| सार्वजनिक क्षेत्रक | निजी क्षेत्रक |
|---|---|
| क. सेवाओं और परिसम्पतियों पर सरकार का स्वामित्व एवं नियन्त्रण | क. सेवाओं परसम्पतियों पर व्यक्तिगत निजी उद्यमकर्ता का स्वामित्व एवं नियन्त्रण |
| ख. उद्देश्य जनकल्याण व लाभ अर्जित करना । | ख. उद्देश्य केवल लाभ अर्जित करना । |
| ग. रेलवे, डाकघर, सार्वजनिक क्षेत्र के उदाहरण | ग. टाटा इस्पात उद्योग, रिलायन्स उद्योंग,निजी क्षेत्र के उदाहरण |

**प्र.२.** सकल घरेलु उत्पात जी.डी.पी. में अधिक हिस्सा तृतीय क्षेत्रक का होने के बाद भी प्राथमिक क्षेत्रक में रोजगार का हिस्सा अधिक क्या?

उत्तर :  (क)  द्वितीयक एवं तृतीय क्षेत्रक अधिक रोजगार जुटाने में असक्षम

(ख) औद्योगिक उत्पाद की वस्तुएँ ८ गुना बढ़ी हैं  जबकि रोजगार क अवसर केवल २.५ गुना बढ़े  हैं  ।

(ग) इसी प्रकार तृतीयक क्षेत्रक में उत्पादन ११ गुना बढ़ा है जबकि रोजगार के अवसर तीन गुने से कम ।

(घ)  अतः आधी से अधिक जनसंख्या प्राथमिक क्षेत्रक में है जबकि जी.डी.पी. में योगदान   चौथाई ही है

**प्र.३.** राष्ट्रीय आय में अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य की ही गणना में लिया जाता है । क्यों ?

उत्तर :  **कारण**

(क )  अन्तिम वस्तुएँ  वे वस्तुएँ होती हैं जो उत्पादन की सभी सीमाओं को पार कर उपयोग विनियोग के लिए तैयार होती हैं ।

(ख ) अन्तिम वस्तुओं में सभी मध्यमवर्ती वस्तुओं के मूल्य की गणना हो चुकी होती है इसमें दोहरी गणना की समस्या नहीं होती है ।

(ग ) राष्ट्रीय आय में मध्यमवर्ती उपयोग में लाई गई वस्तु की गणना नहीं होती तथा राष्ट्रीय आय का सही आंकलन होता है जो विकास का प्रमा.k है ।

**प्र.४.** ‘ अल्प बेराजगारी ‘ का क्या अर्थ है। किस आर्थिक क्षेत्रक में यह ज्यादा पाई जाती है और क्यों ?

उत्तर :  इस दशा में व्यक्ति काम पर लगा तो होता है परन्तु पूर्ण रोजगार नहीं
मिलता एसी दशा में व्यक्ति अपनी संपूर्ण दक्षता, क्षमता एवं संभावनाओं का उपयोग नहीं कर पाता । यह क्षेत्रक प्राथमिक क्षेत्रक होता है ।

(क )  इस क्षेत्रक में गरीब-वर्ग की बाहुल्यता होती है ।

(ख ) इस क्षेत्रक के इस वर्ग में लोग, असाक्षर या अर्द्ध  साक्षर होतेहैं ।

प्र.५ भारत में तृतीय क्षेत्रक का इतना महत्व क्यों है?समझाइए |

उतर-क. किसी भी देश में अनेक सेवाआ जैसे अस्पताल, शैक्षिक संस्थाएं,डाक एंव तार, यातायात,बैक,बीमा इत्यादि की आवश्यकता होती है।

ख. कृषि और उद्योगों के विकास से परिवहन ,व्यापार, और भण्डारण  जैसी सेवाओं का विकास होता है।

ग. लोंगो की आय बढ़नें के साथ-साथ कई प्रकार की सवाओं का भी विस्तार होता है। जैसे रेस्तरां,पर्यटन , शोपिंग, निजी अस्पताल, विद्यालय इत्यादि।

घ. विगत देशों में सूचना ओर संचार प्रोद्योगिकी पर आधारित कुछ नवीन सेवाओं का भी विकास हुआ है।

प्र.६ अर्थव्यवस्था की संगठनात्मक और गैरसंगठनात्मक क्षेत्रक में बेरोजगारी की दशाओं मे क्या अन्तर पाया जाता है?

| संगठनात्मक | गैर संगठनात्मक |
|---|---|
| १.  सरकार के साथ पंजीयन | सरकार के साथ  पंजीयन नहीं |

| | |
|---|---|
| २. श्रमिकों के काम के घण्टें निश्चित<br>३. पारिश्रमिक निश्चित एंव अतिरिक्त कार्य का अतिरिक्त पारिश्रमिक<br>४. अतिरिक्त लाभ व भत्ते जैसे भविष्य निधि छुटिटयों का भुगतान, ग्रेचुटी<br>५. कार्य या रोजगार की सुरक्षा<br>श्रमिकों को नियुक्ति पत्र एंव श्रमिकों की नियुक्ति के साथ साथ अनुबन्ध एंव शर्ते | श्रमिकों के काम के घण्टें निश्चित नहीं<br>पारिश्रमिक निश्चित नहीं एंव अतिरिक्त कार्य का अतिरिक्त कार्य का भुगतान नहीं<br>ऐसे कोई आर्थिक लाभ नहीं<br>रोजगार सुरक्षित नहीं<br>श्रमिकों को नियुक्ति पत्र नही,कोई शर्त अनुबन्ध नहीं |

केन्द्रीय विद्यालय संगठन

समेकित मूल्यांकन-|

२०१५-१६

अभ्यास प्रश्नपत्र

विषय– सामाजिक विज्ञान कक्षा– दसवीं

समय– 3 घण्टे अधिकतम अंक–90

सामान्यनिर्देश:

1. प्रश्नपत्रमें 30 प्रश्नहै.सभीप्रश्नअनिवार्यहैं|

2. प्रत्येकप्रश्नकेनिशानकेसामनेअंक दिए गए हैं |

3. प्रश्नसंख्या1 से8**अति लघु उत्तरात्मक प्रश्न**हैंप्रत्येकप्रश्न1अंक काहैं|

4. प्रश्न9 से20, 3अंकके हैं. इनसवालोंकेजवाब80शब्दोंसेअधिकनहींहोनीचाहिए|

5. प्रश्न21से28, 5अंकके हैं . इनसवालोंकेजवाब100शब्दोंसेअधिकनहींहोनीचाहिए|

6. प्रश्नसंख्या29 भूगोलसे3अंककामानचित्र आधारित सवालहै.प्रश्नसंख्या 30 इतिहास से3अंककामानचित्र आधारित सवालहै|

1 अनुबंधित श्रमिक का क्या मतलब है?

अथवा

सर्वप्रथम औद्योगिक क्रांति करने वाला देश था?

अथवा

'द बिटर क्राई ऑफ आउटकास्ट लंदन' लिखा है -

2 सुलेखन कला क्या है?

अथवा

' हार्ड टाइम्स' किसने लिखा?

3 **राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार देश में वन क्षेत्र कितना प्रतिशत है ?**

4 **भारतीय वन्यजीवन संरक्षण अधिनियम लागू किया गया?**

5 **खण्ड स्तर की सरकार क्या कहलाती है?**

6 **उत्तरी आयरलैण्ड में कैथोलिक लोगों का प्रतिनिधि राजनीतिक दल है ?**

7 नरेगा २००५ में एक वर्ष में कितने दिनों की रोजगार की गारंटी होती है?

8 देश की कुल आय को कुल जनसंख्या से भाग देने पर आता है-

9. ब्रेटन बुड व्यवस्था ने किस प्रकार काम किया था?

अथवा

19 वीं सदी के प्रारंभ में भारतीय बुनकरों की क्या-क्या समस्याएं थी?

अथवा

18 वी सदी के मध्य से लंदन में प्रदूषण बढ़ने के तीन कारण बताओ।

10.भारत में मुद्रण से पहले की हस्तलिखित पांडुलिपियों के तीन लक्षण बताओ-

अथवा

धारावाहिक उपन्यासों के क्या लाभ थे?

11.'इंदुलेखा' में किस तरह का जातीय युद्ध दिखाई देता है?

अथवा

भारत मे मुद्रण मे नई दृश्य प्रतिमूर्ति संस्कृति की क्या भूमिका थी?

12 **औपनिवेशिक सरकार द्वारा किस तरह वनों को नुकसान पहुंचाया गया ?**

13 **'जलाभाव' क्या है ? इसके प्रमुख** दो **कारण लिखें।**

**14 नवीकरणीय संसाधन और अनवीकरणीय संसाधन में अन्तर स्पष्ट कीजिए-**

15 **प्रत्यक्ष और अप्रत्यक्ष लोकतंत्र में अन्तर स्पष्ट कीजिए।**

16 **संघीय व्यवस्था के क्या उद्देश्य हैं ?**

17 **टॉमी स्मिथ और जॉन कारलोस में तीन समानताएं बताइए।**

18' अल्प बेराजगारी ' का क्या अर्थ है। किस आर्थिक क्षेत्रक में यह ज्यादा पाई जाती है और क्यों ?

19 राष्ट्रीय आय में अन्तिम वस्तुओं और सेवाओं के मूल्य की ही गणना में लिया जाता है । क्यों ?

20मानव विकास सूचकांक क्या है? इसे कौन तैयार करता है?

**21भारतीय अर्थव्यवस्था पर महामंदी के क्या प्रभाव हुए?**

**अथवा**

**'औद्योगिक क्रांति मिश्रित वरदान थीं' स्पष्ट कीजिए -**

**अथवा**

**19 वी सदी के मध्य में ब्रिटेन के श्रमिकों की जीवन शैली का उल्लेख कीजिए|**

**22मौखिक संस्कृति ने मुद्रण में कैसे प्रवेश किया और मुद्रित साहित्य मौखिक में कैसे परिवर्तित हुआ?**

**अथवा**

**परीक्षा गुरू उपन्यास में दिखाई गई नये मध्यवर्गीय परिवारों की तस्वीर को समझाओ।**

23 चावल की फसल के लिए उत्तरदायी भौगोलिक कारकों व वितरण का वर्णन कीजिए

24 **वनों के संरक्षण के उपायों का वर्णन कीजिये।**

25 **नारीवादी आंदोलन किसे कहते है ? लिंग विभाजन के राजनीतिक अभिव्यक्ति में क्या परिणाम होते हैं?**

26 **एक लोकतांत्रिक सरकार स्वेच्छा से कार्य क्यों नहीं कर सकती ? चार कारणों द्वारा स्पष्ट कीजिए।**

27 'सतत् पोष्णीय' विकास का क्या अर्थ है ? इसकी मुख्य विशेषताएँ क्या हैं ?

28 अर्थव्यवस्था की संगठनात्मक और गैरसंगठनात्मक क्षेत्रक में बेरोजगारी की दशाओं मे क्या अन्तर पाया जाता है?

29भारत के मानचित्र पर अंकित करें **1x3=3**

(अ) मरुस्थलीय मृदा

(ब) मानस वन्य जीव अभयारण्य

(स) सबसे अधिक वर्षा वाला क्षेत्र

**30विश्व**के मानचित्र पर अंकित करें: 1x3=3

(अ)**ब्रिटेन**(ब) **फ़्रांस** (स)**चीन**